Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 229
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार,19 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 करंट लगने से दो लंगूरों की मौत

4 लंबा जीना है तो अपनी प्लेट में शामिल करें ये पांच

7 राधिका मदान ने इरफान खान को किया याद

मुख्यमंत्री ने नव निर्माण के 9 वर्ष पुस्तक का किया विमोचन

नौ वर्षों में स्थापित किया सुरक्षा, विकास, रोजगार और सुशासन का नया मॉडल

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में विकास और सतत समृद्धि के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में नव निर्माण के 9 वर्ष पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व उनकी विजनरी नेतृत्व क्षमता के तहत बीते 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है, वह डबल इंजन सरकार की नीतियों, पार्टी कार्यकताओं के अथक परिश्रम, जनप्रतिनिधियों की सेवा भावना और जनता जनार्दन के सहयोग का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता को 9 वर्षों की उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह परिवर्तन 25 करोड़ प्रदेशवासियों की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 वर्षों की यात्रा को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति क्या थी। उत्तर प्रदेश जैसे असीम संभावनाओं वाले राज्य को पहचान के संकट का सामना करना पड़ रहा था। दुनिया की सबसे उर्वर भूमि और प्रचुर जल संसाधनों के बावजूद किसान आत्महत्या के लिए मजबूर था। प्रदेश का कारीगर, जो अपनी कला के लिए प्रसिद्ध था, वह उद्यमी बनने के बजाय श्रमिक बनकर पलायन करने को विवश था। युवाओं के सामने पहचान और रोजगार का संकट था, भर्ती प्रक्रियाएं भ्रष्टाचार और वसूली से प्रभावित थीं। आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। 9 वर्षों में डबल इंजन सरकार ने सुरक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार, किसानों के कल्याण, महिलाओं के सशक्तीकरण और गरीबों के उत्थान के लिए व्यापक कार्य किए हैं। कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दलितों, वंचितों और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी लाभ पहुंचाने का काम किया गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सेवा क्षेत्रों में सुधार करते हुए सुशासन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आस्था, संस्कृति व परंपराओं को सम्मान देते हुए नई पहचान दिलाने के प्रयास भी लगातार जारी हैं, जिससे उत्तर प्रदेश एक नई पहचान के साथ देश और दुनिया में उभर रहा है। उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए 9 विषयों पर आधारित 9 दिवसीय कार्यक्रम किया जा रहा है, जो बसंत नवरात्रि से प्रारंभ हो रहा है।

यूपीसीएल, यूजेवीएनएल के एमडी समेत कई अफसर किए कार्यमुक्त

सेवा विस्तार पर कर रहे थे काम

देहरादून (एजेंसी)। यूपीसीएल के एमडी अनिल कुमार को सरकार ने सेवानिवृत्ति के बाद 30 जून 2024 से दो वर्ष का सेवा विस्तार दिया था। उन्हें अब कार्यमुक्त कर दिया गया है। धामी सरकार ने मंगलवार देर शाम यूपीसीएल और यूजेवीएनएल के एमडी समेत कई अफसरों को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर दिया। ये सभी अफसर सेवानिवृत्ति के बाद सेवा विस्तार पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। प्रमुख सचिव ऊर्जा आर मीनाक्षी सुंदरम की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, यूपीसीएल के एमडी अनिल कुमार को सरकार ने सेवानिवृत्ति के बाद 30 जून 2024 से दो वर्ष का सेवा विस्तार दिया था। उन्हें अब कार्यमुक्त कर दिया गया है। उनकी जगह अब यूजेवीएनएल के महाप्रबंधक यमुना वैली प्रथम डाकपत्थर और पिटकुल के प्रभारी निदेशक परिचालन गजेंद्र सिंह बुदियाल को यूपीसीएल के एमडी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, यूजेवीएनएल के एमडी संदीप सिंघल को भी सरकार ने सेवानिवृत्ति के बाद 30 जून 2024 को दो वर्ष का सेवा विस्तार दिया था। उन्हें भी तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर दिया गया है। उनकी जगह यूजेवीएनएल के महाप्रबंधक भागीरथी वैली, यूजेवीएनएल के प्रभारी निदेशक परिचालन अजय कुमार सिंह को यूजेवीएनएल एमडी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शासन के इसके अलावा यूपीसीएल के निदेशक परियोजना अजय कुमार अग्रवाल को भी कार्यमुक्त कर दिया गया है।

दिल्ली में 5000 करोड़ का व्यापार प्रभावित होने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण केवल गैस सेवाएं ही नहीं प्रभावित हुई हैं, बल्कि इससे शहर के विभिन्न क्षेत्रों के व्यापार पर भी गहरा असर पड़ा है। कमर्शियल गैस की उपलब्धता सीमित किए जाने के कारण बड़े होटलों-रेस्टोरेंट में सेवाएं सीमित की गई हैं। रेहड़ी-पटरी पर कारोबार करने वाले छोटे दुकानदारों को अपनी दुकानें बंद करनी पड़ी हैं। इनका असर होटल-बैंक्वेट हॉल की बुकिंग पर भी पड़ा है। बाजार विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि ईरान-अमेरिका युद्ध जल्द समाप्त नहीं होता है तो इससे अकेले दिल्ली के व्यापारियों को 5000 करोड़ का नुकसान हो सकता है। केंद्र और राज्य सरकारें लगातार इस बात के लिए आश्वासन दे रही हैं कि गैस की उपलब्धता में कोई कमी नहीं है और लोग घबराहट में ज्यादा खरीद (पैनिक बाईंग) न करें। गैस की होर्डिंग कर कालाबाजारी करने वाले अनेक लोगों पर कार्रवाई भी की गई है। होर्मुज के रास्ते गैस के जहाज भारत पहुंचने के समाचार से भी लोगों को राहत मिली है, लेकिन इसके बाद भी युद्ध के 19वें दिन भी कुकिंग गैस की सामान्य सप्लाई अब तक सुनिश्चित नहीं हो पाई है।

पोखरण में पहली बार निजी कंपनी ने किया पिनाका रॉकेट का सफल परीक्षण

पोखरण (एजेंसी)। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की तरफ देश ने एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। राजस्थान के पोखरण में सोलर ग्रुप ने पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट्स का सफल परीक्षण करके रक्षा क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। कंपनी ने पहली बार पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट के दो उत्पादन बैचों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। यह महत्वपूर्ण परीक्षण राजस्थान की पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में किया गया। सोलर ग्रुप ने बताया कि इस दौरान कुल 24 पिनाका एनहैंस्ड रॉकेट्स का परीक्षण किया गया। इन रॉकेट्स की सटीकता, स्थिरता और मारक क्षमता को परखा गया। कंपनी के अनुसार, सभी रॉकेट्स ने मैदानी परिस्थितियों में असाधारण रूप से बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और अपने सभी लक्ष्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। निजी क्षेत्र की बड़ी कामयाबी यह देश में पहली बार है जब पिनाका एक्सटेंडेड रेंज रॉकेट्स के उत्पादन बैचों का परीक्षण किसी निजी कंपनी द्वारा सफलता पूर्वक किया गया है।

पीएम ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से की बात

क्षेत्र में शांति और होर्मुज पर चर्चा हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी अशांति के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस से फोन पर बात की। प्रधानमंत्री ने कुवैत पर हमलों की निंदा की और अपने विचार रखे। वहीं, दोनों नेताओं के बीच होर्मुज जलमडमरूमध्य को बहाल करने को लेकर भी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री (पीएम) नरेंद्र मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बातचीत की। इस दौरान पीएम मोदी ने ईद के लिए अग्रिम हार्दिक शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति पर अपने विचार साझा किए। हाल के घटनाक्रमों पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। पीएम मोदी ने कहा, हमने पश्चिम एशिया में बदली स्थिति पर विचार-विमर्श किया और हाल के घटनाक्रमों पर चिंता जताई। हमने कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमलों की निंदा को दोहराया। होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर राजनयिक संपर्क जरूरी है। भारतीय समुदाय का कल्याण और द्विपक्षीय संबंध प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने कुवैत में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण के लिए उनके निरंतर समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। कुवैत में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक निवास करते हैं। उनके हितों की रक्षा करना भारत के लिए हमेशा से एक अहम विषय रहा है।

लोकसभा से निलंबन रद्द होने के बाद राहुल गांधी ने सांसदों से की मुलाकात

संसद की कार्यवाही पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कांग्रेस सांसदों से मुलाकात की। यह संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की ओर से सदन में पेश किए गए प्रस्ताव के बाद आठ कांग्रेस सांसदों का निलंबन खेद व्यक्त करने के बाद हुआ। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने फैसले के बाद सांसदों से बातचीत की। इसके साथ ही निलंबन और उसके निरस्तीकरण से संबंधित घटनाक्रमों पर चर्चा की। सांसदों ने उन्हें निलंबन की अवधि के दौरान सदन में घटी घटनाओं के बारे में भी जानकारी दी। क्यों हुआ थे निलंबित? निलंबित सांसदों में अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, मणिकम टैगोर, गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, सी. किरण कुमार रेड्डी, प्रशांत यदाओराव पाडोले, एस. वेंकटेश और डीन कुरियाकोस शामिल हैं, ये सभी कांग्रेस पार्टी से संबंधित हैं। दरअसल, लोकसभा में तीखी बहस के दौरान कार्यवाही में बाधा डालने और अध्यक्ष की ओर कागज फेंकने के आरोपों के बाद आठ सांसदों को 3 फरवरी को बजट सत्र के शेष समय के लिए निलंबित कर दिया गया था। निलंबन रद्द के बाद कांग्रेस नेता ने क्या कहा? इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कई कांग्रेस सांसदों ने निलंबन रद्द किए जाने का स्वागत किया। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पार्टी नेतृत्व और अध्यक्ष को धन्यवाद दिया। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि विपक्ष सार्वजनिक मुद्दों को उठाना जारी रखेगा संसद में विपक्षी सदस्यों के साथ हो रहे भेदभाव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगा। सांसदों ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया।

वे सांसद हैं जिनका निलंबन मंगलवार को रद्द किया गया था। उन्होंने नई दिल्ली में उनके साथ चाय और कॉफी साझा की। यह अनौपचारिक बैठक केंद्रीय वापस लेने के एक दिन बाद हुई। यह निरस्तीकरण बजट सत्र की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस के कुछ सदस्यों के आचरण पर कांग्रेस नेतृत्व की ओर से

गोवा में विकल्प बनेगी पार्टी, केजरीवाल ने कार्यकताओं के साथ देखी डॉक्यूमेंट्री

भाजपा को घेरा

मुंबई / नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (AAP) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने डॉक्यूमेंट्री फिल्म की स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया। इसमें आप नेताओं को फर्जी केसों में फंसाकर जेल भेजने की पूरी कहानी दिखाई गई है। गोवा में ये मौका केवल फिल्म स्क्रीनिंग का ही नहीं, बल्कि भावनात्मक और राजनीतिक भी था। हॉल में बैठा हर व्यक्ति सिर्फ दर्शक नहीं था, बल्कि गवाह था उस दौर का, जब एक उभरती हुई ईमानदार राजनीति को रोकने के लिए हर संभव कोशिश की गई। जैसे-जैसे

फिल्म आगे बढ़ी, वैसे-वैसे माहौल गंभीर होता गया। कई जगहों पर सन्नाटा था, कई जगहों पर गुस्सा, और अंत में एक मजबूत संकल्प सच्चाई के साथ खड़े रहने का। इस मौके पर अरविंद केजरीवाल ने कहा, यह पूरी कहानी किसी एक नेता की नहीं है, बल्कि उस सोच की है, जिसे दबाने की कोशिश की गई। उन्होंने बताया कि किस तरह से आम आदमी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाया गया, जेल में डाला गया, और जनता के बीच शक पैदा करने की कोशिश की गई। लेकिन इसके बावजूद पार्टी का एक भी नेता नहीं टूटा। आम आदमी पार्टी इस डॉक्यूमेंट्री को कोंकणी भाषा में गोवा के हर कस्बे, हर मोहल्ले और हर वार्ड तक पहुंचाने का प्रयास करने वाली है। 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले अअढ इस अभियान के माध्यम से जनआंदोलन खड़ा करने का प्रयास कर रही है। पार्टी चाहती है कि हर कार्यकर्ता गर्व के साथ खड़ा हो और पूरे विश्वास के साथ कह सके, अरविंद केजरीवाल कट्टर ईमानदार हैं। अअढ के मुताबिक गोवा शांति और भाईचारे के लिए जाना जाता रहा है। डॉक्यूमेंट्री जैसी पहल यहां के लोगों के दिलों को छू रही है और जनता के साथ भावनात्मक जुड़ाव भी बन रहा है।

बंगाल में एऊरेड में अड़चन मामले पर सुनवाई; 'इंडस्ट्री की परिभाषा' मुद्दा नौ जजों की पीठ के पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में तलाशी लेने गई केंद्रीय जांच एजेंसी- प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों को रोके जाने का विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। बंगाल सरकार के अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने ईडी के अफसरों की छापेमारी के दौरान अड़चन पैदा करने की कोशिश की। बता दें कि इस मामले में खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम भी सुर्खियों में रहा है। दरअसल, ईडी के अधिकारी जब तृणमूल कांग्रेस (TMC) का काम देखने वाली कंपनी- आई-पैक के ठिकानों पर तलाशी लेने गए

थे, उसी समय खुद सीएम ममता बनर्जी मौके पर पहुंची थीं। राज्य के प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दल- भाजपा ने आरोप लगाया है कि ममता बनर्जी ने अहम कागजात अपने पास रख लिए, जिससे ईडी की कार्रवाई में बाधा पहुंची। अब पूरा मामला सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। सुप्रीम कोर्ट प्रवर्तन निदेशालय (डीई) की उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार और अन्य लोगों पर छापेमारी में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। इंडस्ट्री की परिभाषा के दायरे में कौन से उद्योग? 89 साल पुराने कानून के आधार पर तय की गई परिभाषा के मुद्दे पर भी सुप्रीम कोर्ट को अहम फैसला सुनाना है।

सत्र शुरू होने से पहले मिली विधानसभा उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात में विधनसभा परिसर में आज सुबह बम होने की धमकी मिली। बजट सत्र के दौरान धमकी मिलने के बाद अफरातफरी मच गई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह धमकी ईमल के जरिए दी गई। इसमें दावा किया गया कि विधानसभा परिसर में बम है। आज विधानसभा में बजट सत्र की कार्यवाही सुबह 9 बजे शुरू होनी थी लेकिन उससे पहले करीब 8:45 बजे अधिकारियों को धमकी भरे ईमेल की जानकारी मिली। जैसे ही यह सूचना सामने आई, सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं और पूरे परिसर को खाली कराने का निर्णय लिया गया। पुलिस उपाधीक्षक पीयूष वांडा ने बताया कि ईमेल में साफ तौर पर बम होने का दावा किया गया था, जिसके बाद सुरक्षा को देखते हुए सभी विधायकों, कर्मचारियों और अन्य मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। एजेंसियों ने परिसर की बारीकी से जांच की। बम निरोधक दस्ते के साथ डॉग स्क्वॉड की भी मदद ली गई। शुरूआती जांच में अब तक कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई है।

देवेगौड़ा पर खरगे का तंज, राज्यसभा में लगे ठहाके, प्रधानमंत्री मोदी भी मुस्कुराए

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में सांसदों की विदाई के दौरान विपक्ष के

नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने मजाकिया अंदाज से सबको लोटपोट कर दिया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले पर ऐसी बातें कही कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। सदन में क्या बोले खरगे? सदन को संबोधित करते हुए खरगे ने देवेगौड़ा का जिक्र किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'मैं देवेगौड़ा को 54 वर्षों से जानता हूं। उनके साथ ही मैंने काम किया, लेकिन क्या हुआ मुझें मालूम नहीं। उन्होंने प्रेम हमारे साथ किया, मोहब्बत हमारे साथ किया और शादी मोदी साहब के साथ कर ली। ये जल्दी ही हुआ कैसे हुआ मुझे मालूम नहीं।' खरगे की इस बात पर पीएम मोदी सहित पूरा सदन ठहाकों से गुज उठा। इसके बाद उन्होंने रामदास अठावले पर भी मजाकिया अंदाज में निशाना साधा। खरगे ने हंसते हुए कहा कि अठावले अपनी कविताओं में हमेशा पीएम मोदी की तारीफ करते हैं। लगता है कि अठावले को मोदी जी की तारीफ के अलावा कोई और कविता आती ही नहीं है। जिससे सदस्यों के बीच फिर से हंसी की लहर दौड़ गई। सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों पर कही ये बात इस सबके बीच खरगे ने एक बड़ी बात कही।

चीन जा रहे रूसी तेल टैंकर का यू-टर्न, अब भारत आ रहा; भारतीय रिफाइनरियों ने खरीदे तीन करोड़ बैरल क्रूड

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में युद्ध के कारण मध्य पूर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक बड़ा भू-राजनीतिक और व्यापारिक बदलाव देखने को मिल रहा है। अमेरिका की भारत को रूसी तेल की खरीद बढ़ाने की अस्थायी छूट दिए जाने के बाद, चीन की ओर जा रहे कई एक रूसी तेल टैंकर बीच रास्ते में ही अपना मार्ग बदलकर भारत का रुख कर लिया है। यह घटनाक्रम भारत की ऊर्जा सुरक्षा और बदलती वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिहाज से एक बेहद अहम और कूटनीतिक कदम है। रूसी

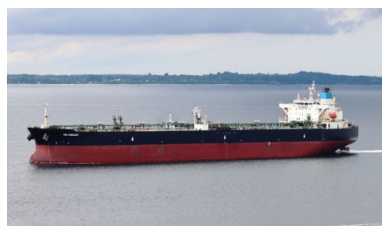

जहाज के 21 मार्च को न्यू मैंगलोर पहुंचने की उम्मीद शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, 'एक्वा टाइटन' नामक एक अफ्रामैक्स रूसी टैंकर, जो मूल रूप से चीन के रिझाओ बंदरगाह की ओर जा रहा था, उसने मध्य मार्च में दक्षिण पूर्व एशियाई जलक्षेत्र (दक्षिण चीन सागर) से यू-टर्न ले लिया है। यह टैंकर जनवरी के अंत में बाल्टिक सागर के एक बंदरगाह से 'उरल्स' कच्चा तेल लेकर चला था और अब इसके 21 मार्च को न्यू मैंगलोर पहुंचने की उम्मीद है। कम से कम सात रूसी टैंकरों के दिशा बदलने की खबर वोर्टेक्सा लिमिटेड के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कम से कम सात ऐसे टैंकर हैं जो रूसी तेल ले जा रहे थे और उन्होंने अपनी यात्रा के बीच में ही चीन से भारत की ओर अपनी दिशा बदल ली है। यह रणनीतिक बदलाव मुख्य रूप से तब आया जब अमेरिका ने भारत को ईरान युद्ध के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए अस्थायी रूप से रूसी तेल की खरीद बढ़ाने की हरी झंडी दे दी। इस महत्वपूर्ण रियायत के मिलने के बाद वाले सप्ताह में ही, भारतीय रिफाइनरियों ने तेजी दिखाते हुए तीन करोड़ (30 मिलियन) बैरल रूसी कच्चे तेल की भारी-भरकम खरीद की है।

30-40% पर सिमटा प्लास्टिक-चमड़ा कारोबार, कच्चा माल महंगा होने उद्योगों पर संकट

कानपुर। वैश्विक युद्ध के चलते कानपुर के प्रमुख उद्योगों में कच्चे माल की भारी कमी और लॉजिस्टिक लागत में बेतहाशा वृद्धि हुई है। सीजन के समय उत्पादन गिरने से कारोबारियों का भुगतान फंस गया है और आम जरूरत की चीजें महंगी हो रही हैं। अमेरिका, इस्त्राइल और ईरान के बीच चल रहा युद्ध लगातार बढ़ता ही जा रहा है। युद्ध से चमड़ा, केमिकल, कपड़ा, प्लास्टिक उद्योग पर गहरा संकट पड़ चुका है। प्लास्टिक से जुड़ा हर कच्चा माल महंगा होने से इससे जुड़ी हर चीज महंगी हो गई है। आयात वस्तुओं के दाम बढ़ने से स्थितियां बिगड़ रही हैं। इकाइयों का भुगतान भी रुकने लगा है। कारोबारियों का कहना है कि अब प्लास्टिक उद्योग कारोबार केवल 30 प्रतिशत और चमड़ा उद्योग का उत्पादन 40 प्रतिशत पर सिमट गया है। शहर के कपड़ा, रेडीमेड और होजरी पर भी युद्ध का असर आ चुका है। पेट्रोलियम पदार्थ पर निर्भर उद्योग

प्लास्टिक, रसायन कारोबार पर आने वाले समय में और महंगाई बढ़ने की संभावना है। इसका सीधा असर आम आदमी पर पड़ेगा। निर्यातकों के सामने और बड़ी समस्या हो गई है। शिपिंग कंपनियों ने मालभाड़ा और समुद्र जोखिम बीमा तीन से चार गुना पहले ही कर दिया है, जो आगे और बढ़ सकता है। इसके अलावा कच्चा माल महंगा होने से उत्पादों की कीमतों में इजाफा हो गया है। प्लास्टिक उद्योग पर संकट सबसे ज्यादा आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू होने से कानपुर, कानपुर देहात के प्लास्टिक उद्योग पर संकट सबसे ज्यादा है। कानपुर, उन्नाव, कानपुर देहात के रनियां में चमड़ा उद्योग का बड़ा कारोबार है। 250 के करीब टेनरियां और जूतों की फैक्टरी हैं। इन सभी जगहों पर उत्पादन धीमा हो गया है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) के संयोजक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि उत्पादों की लॉजिस्टिक कास्ट बढ़ने से कानपुर में आयातित होने वाले उत्पाद व वस्तुओं के दाम बढ़ गए हैं। कच्चे माल की कमी और कीमतों में वृद्धि का असर युद्धग्रस्त देशों के अलावा यूरोप, अमेरिका से शहर में ऊर्जा और पेट्रोलियम उत्पाद, धातु और निर्माण सामग्री, एल्युमीनियम, स्टील और लोहे के उत्पाद, जिप्सम, कीमती धातु और पत्थर, सोना, चांदी, हीरे, केमिकल उत्पाद, क्रोमियम, सल्फर, डाई आदि का आयात किया जाता है। इन पर भी तेज असर पड़ रहा है। कच्चे माल की कमी और कीमतों में वृद्धि का सीधा असर प्लास्टिक उद्योग पर पड़ेगा। इसके चलते पैकेजिंग सामग्री से लेकर आम लोगों के रोजमर्रा में महंगी हो गई हैं। फरवरी से मई तक का समय सबसे ज्यादा अहम कारोबारियों ने बताया कि फरवरी से मई तक का समय औद्योगिक इकाइयों के लिए सबसे ज्यादा अहम होता है। फरवरी में होली पड़ती है। इसी महीने या अगले महीने ईद मनाई जाती है। वित्तीय वर्ष मार्च में सभी जगह क्लोजिंग होती है। इसके अलावा गेहूं की कटाई मार्च-अप्रैल में होती है। इसके अलावा इन दिनों ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े स्तर पर शादी समारोह होते हैं। इससे उद्योगों में इस अवधि में सबसे ज्यादा मांग होती है। सभी औद्योगिक इकाइयां बड़े स्तर पर उत्पादन करती हैं लेकिन युद्ध से सभी उद्योगों में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है। भुगतान फंस रहे हैं। केमिकल और लेदर फैक्टरियों के उत्पादन खर्च बढ़ रहे हैं। आयातित कच्चा माल देर से पहुंच रहा है। उत्पादन में देरी और लागत में वृद्धि हो रही है। कारोबार 40 प्रतिशत ही रह गया है। इस्त्राइल, जीसीसी देशों में निर्यात बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। आने वाला समय बेहद चुनौतीपूर्ण है। -यादवेंद्र सचान, क्षेत्रीय अध्यक्ष, चर्म निर्यात परिषद मार्च, अप्रैल और मई का समय एमएसएमई के अलावा सभी उद्योगों के लिए उत्पादन का सबसे पीक समय होता है। 28 फरवरी से युद्ध शुरू हुआ था जो लगातार बढ़ता जा रहा है। प्लास्टिक उद्योग केवल 30 प्रतिशत ही बचा है। 70 प्रतिशत कारोबार ठप हो गया है। चमड़ा, केमिकल, गारमेंट, उद्योग के लिए भी संकट का समय है। -सुनील वैश्य, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, आईआईए ईद का त्योहार बेहद नजदीक है। युद्ध का असर कपड़ा उद्योग पर भी है। पॉलिस्टर यार्न धागा, पॉलिस्टर फाइबर के दाम में 15 प्रतिशत की तेजी आ गई है। जो यार्न पहले 140 रुपये प्रति किलो तक था, अब 160-165 रुपये किलो तक हो गया है। कच्चा माल महंगा हो गया है। इससे तैयार उत्पाद भी महंगे हो गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

करंट लगने से दो लंगूरों की मौत

कप्तानगंज। थाना क्षेत्र के पगार गांव में मंगलवार की देर शाम करंट की चपेट में आने से दो लंगूरों की मौत हो गई। पगार गांव में कई सालों से सैकड़ों लंगूर रहते है। गांव के दक्षिण तरफ हाईटेंशन तार है। शाम करीब चार बजे कई लंगूर आपस में लड़ाई कर रहे थे, तभी दो लंगूर हाई टेंशन तार पर कूद गए। इससे दोनों की झुलस कर की मौत हो गई। ग्रामीणों ने दोनों लंगूरों को दफना दिया। कप्तानगंज के जेई राजित राम ने बताया कि हादसे की जानकारी नहीं है।

धोखाधड़ी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। कलवारी पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में थाना क्षेत्र के सैफाबाद निवासी विनीत कुमार पर मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की है। थाना क्षेत्र के सैफाबाद निवासी मन श्याम चौहान की पत्नी दीपाली ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसने आरोपी के यहां सोने का मारवाड़ी नथुनी, झुमकी और चांदी का एक सेट पावजेब गिरवी रखा था। जब वह जेवर छुड़ाने गई तो आरोपी गाली देते हुए जाने से मारने की धमकी दी। विवेचक शैलेश यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी विनीत कुमार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

टेट की अनिवार्यता खत्म करने के लिए शिक्षकों ने भेजा पाती

बस्ती। टेट की अनिवार्यता समाप्त किए जाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के आह्वान पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री (उ.प्र.), नेता प्रतिपक्ष भारत और यूपी को शिक्षकों की पाती भेजने का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा। शिक्षकों ने हस्ताक्षर युक्त पत्र भेजकर टेट की अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग की। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष एवं अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के संयोजक उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि परशुरामपुर ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों पर जाकर कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में टीईटी के विरोध में संगठन के पदाधिकारियों द्वारा मांग पत्र पर शिक्षकों से हस्ताक्षर करवाया गया। सभी विकास खंडों में चरणबद्ध ढंग से शिक्षकों की पाती भेजने का सिलसिला जारी रहेगा। गौर ब्लॉक में संगठन के मंत्री विनोद यादव, कप्तानगंज ब्लॉक अध्यक्ष स्कंद मिश्र, रुधौली अध्यक्ष राजेश चौधरी के नेतृत्व में शिक्षकों से हस्ताक्षर कराकर पाती भेजी गई। बताया कि आगामी 13 अप्रैल को जनपद स्तर पर मशाल जुलूस और 3 मई को लखनऊ में आयोजित महारैली में हिस्सा लेने के लिए शिक्षकों को प्रेरित किया जा रहा है। इस आंदोलन में सतीश शंकर शुक्ला, राजीव पांडेय, प्रकाश चंद्र शुक्ल, विजय वर्मा, सुनील कुमार, राधेश्याम वर्मा आदि लोग शामिल रहे।

मेडिकोलीगल के लिए नहीं आ रहीं चिकित्सक, लौट रहीं पीड़िताएं

बस्ती। मेडिकोलीगल के लिए नामित महिला चिकित्सक मेडिकोलीगल ड्यूटी से कतरा रही हैं। रोस्टर के अनुसार लगी ड्यूटी के बावजूद डॉक्टर नहीं आ रही, इससे सुदूर से आने वाली पीड़िताएं निराश लौट रहीं। इससे रिपोर्ट दर्ज करने में भी थाने की पुलिस को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिला महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. अनिल कुमार ने सीएमओ को पत्र लिखकर कहा है कि रोस्टरवार ड्यूटी लगाने के बाद भी कुछ महिला चिकित्सक उपस्थित नहीं हो रही हैं। दूरभाष पर संपर्क करने पर असमर्थता जताई जाती है। महिला अस्पताल में मेडिकोलीगल कार्य के लिए सीएमओ डॉ. राजीव निगम ने आठ महिला चिकित्सकों की ड्यूटी रोस्टरवार लगाई है।

मनरेगा मद में 34 करोड़ रुपये मिले, श्रमिकों की बढ़ी उम्मीद

बस्ती। जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत कराए गए विकास कार्यों का भुगतान पिछले दो वर्षों से अधर में लटका हुआ है। करीब 199.28 करोड़ रुपये का भुगतान बकाया है, जिसके कारण निर्माण सामग्री की आपूर्ति करने वाले दुकानदारों और कार्यदायी संस्थाओं के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। अब बकाये का 17 प्रतिशत यानी 34 करोड़ रुपये आवंटित हुआ है, जिसके बाद श्रमिकों और सप्लायरों की उम्मीदें बढ़ी हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, जिले में दो चालू वित्तीय साल का 199 करोड़ 28 लाख नौ हजार रुपये की उधारी है। मनरेगा के तहत सामग्री मद में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 14776.96 लाख, वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5151.13 लाख रुपये बकाया है। इसमें श्रमिकों की मजदूरी भी है। विभाग के अनुसार, मनरेगा के तहत प्रत्येक दिवस मजदूरी की दर 252 रुपये है। प्रत्येक परिवार को प्रत्येक वर्ष में 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है।

केस की पैरवी करने पर वकील को पीटा, पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

बस्ती। सरकारी जमीन और चक मार्ग पर कब्जे के मामले में मुकदमे से पैरवी करने से नाराज पांच लोगों ने अधिवक्ता की पिटाई कर दी। मामले में पुलिस ने गांव के पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज किया है। पुलिस को दी गई तहरीर में अधिवक्ता की पत्नी ने आरोप लगाया है कि गांव के ही रहने वाले कुछ लोगों ने सरकारी जमीन और चक मार्ग पर कब्जा कर रखा है। यह मामला कोर्ट में चल रहा है। उनके अधिवक्ता पति मामले की पैरवी कर रहे हैं। 16 मार्च की शाम करीब 5:30 बजे पति महुआपार से घर आ रहे थे। विपक्षियों ने रास्ते में उनकी बाइक रोक ली और पति को जबरिया अपने घर में ले गए और जमकर पिटाई की। इससे उनका एक पैर टूट गया। बाइक भी क्षतिग्रस्त कर दी गई। जान से मारने की धमकी दी गई। विवेचक प्रमोद कुमार नायक ने बताया कि मंडेरवा थाना क्षेत्र के गरवाह गांव के रहने वाले अधिवक्ता सर्वेश चंद्र दूबे की पत्नी प्रीति दूबे की तहरीर पर गांव के ही अंबिका, जगदंबिका, गौरव, हिमांशु और राजकुमार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

आग लगाने के दो आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। लालगंज थाने पुलिस ने अग्निकांड के दो आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार दोनों ने मिलकर लालगंज बाजार में तीन मार्च की रात दुकानों में आग लगा दी थी। जिससे किराने की दुकानों समेत तीन गुमटियों में रखा सामान जल गया था। पीड़ित दुकानदारों ने आशंका जताई थी कि किसी ने रात के सन्नाटे में आग लगाई है। इसके बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई थी। मामले में आरोपी अंशुमान पांडेय उर्फ लोरिक निवासी ठोकवा, बस्ती और कुलदीप यादव निवासी अछैती थाना महुली, जिला संतकबीरनगर के खिलाफ लालगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इसमें अंशुमान पचीस हजार का इनामी भी है।

कवच सिस्टम हेतु स्थापित किये गये टावर का एक दृश्य

गोरखपुर,: माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में सुरक्षा तकनीक पर चर्चा करते हुए, उन्होंने स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कवच को वर्ष 2020 में नेशनल आटोमेटिक प्रोटेक्शन सिस्टम (ए.टी.पी) घोषित किया गया। लगभग 3,000 किलोमीटर के नेटवर्क को पहले ही इसके दायरे में लाया जा चुका है, जबकि करीब-करीब 20,000 किलोमीटर पर कार्य प्रगति पर है और लगभग 8,000 लोकोमोटिव में इसे लगाने की योजना पर काम चल रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कवच एक

डिवाइस नही है बल्कि यह एक व्यापक सुरक्षा प्रणाली है, जिसमें ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क, टेलीकॉम टावर, डेटा सेंटर और ऑनबोर्ड उपकरण शामिल हैं। इसकी जटिलता एक पूर्ण टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर के समान है। भारतीय रेल पर ट्रेनों के सुरक्षित एवं संरक्षित संचलन हेतु कवच सिस्टम लगाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे पर भी रेल संरक्षा को और सुदृढ़ करने हेतु कवच सिस्टम लगाये जा रहे है। स्वदेशी रूप से विकसित कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ए.टी.पी.) प्रणाली को पूर्वोत्तर रेलवे के 1,441 रूट किमी. पर लगाने का कार्य रेल मंत्रालय द्वारा रु. 492.21 करोड़ की लागत से पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है। कवच के इंस्टालेशन को प्राथमिकता प्रदान करते हुये पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर लखनऊ जं.-मानक नगर, लखनऊ जं.- मल्हौर, बाराबंकी जं.-बुढ़वल जं., सीतापुर सिटी-बुढ़वल जं. एवं बुढ़वल जं.-गोरखपुर कैंट, वाराणसी मंडल पर गोरखपुर कैंट-गोल्डिनगंज, गोरखपुर कैंट-वाल्मीकिनगर रोड, भटनी जं.-वाराणसी जं., वाराणसी जं.-प्रयागराज जं. एवं औंड़िहार जं.-छपरा जं. तथा इज्जतनगर मंडल पर रावतपुर-फरूर्खाबाद जं., फरूर्खाबाद जं.-कासगंज जं. एवं कासगंज जं.-मथुरा जं. खंडों पर कवच का कार्य स्वीकृत किया जा चुका है। प्रथम चरण में पूर्वोत्तर रेलवे के 551 रूट किमी. प्रमुख रेलमार्गों पर कवच लगाने का कार्य किया जायेगा, जिसमें लखनऊ मंडल के सीतापुर सिटी-बुढ़वल जं., बुढ़वल जं.-गोरखपुर कैंट, मानक नगर-लखनऊ जं.-मल्हौर एवं बाराबंकी-बुढ़वल जं. तथा वाराणसी मंडल के गोरखपुर कैंट-गोल्डिनगंज खंड सम्मिलित हैं। इन खंडों पर 108 टावर लगाये जायेंगे, जिसका सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में मुख्य मार्ग छपरा-बाराबंकी में टॉवर लगाने का कार्य प्रगति पर है, गोरखपुर-बस्ती खंड में 20 टावर स्थापित किये जा चुके हैं।

सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ संरक्षा पुरस्कार प्राप्तकताओं के साथ महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर, प्रमुख मुख्य इंजीनियर नीलमणि एवं अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने महाप्रबन्धक सभाकक्ष, गोरखपुर में 18 मार्च, 2026 को संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 03 कर्मचारियों को सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ घोषित कर नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्तकताओं में वाराणसी मंडल के चौरी चौरा स्टेशन पर स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत नागेन्द्र कुमार ने 23 जनवरी, 2026 को कार्य के दौरान मालगाड़ी के ऑल राइट सिग्नल मिलाते समय इंजन से 21 वे वैगन से चिंगारी निकलते एवं चक्का लाल होते हुए देखकर तुरंत इसकी सूचना वी.एच.एफ. के माध्यम से लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर को दिया। तत्काल लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर द्वारा जाँच करने पर ब्रेक बाईंडिंग का पता चला, जिसे रिलीज कर सुरक्षित चलाया गया। श्री नागेन्द्र कुमार की सजगता एवं तत्परता से एक बड़ी घटना को बचाया जा सका। लखनऊ मंडल के इंजीनियरिंग विभाग में ट्रैकमेन्टेनर के पद पर कार्यरत श्री संतोष चौधरी ने 09 दिसम्बर, 2026 को कैम्पियरगंज-आनन्दनगर के मध्य किमी. 36/7-8 में पेट्रोलिंग कार्य के रेल टूटी हुई देखकर संरक्षा सुनिश्चित करते हुए इसकी सूचना सम्बन्धित मेट एवं रेलपथ पर्यवेक्षक को दिया। श्री चौधरी की सूझ-बूझ और तत्परता से एक सम्भावित दुर्घटना को बचाया जा सका। इज्जतनगर मंडल के इंजीनियरिंग विभाग में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कासगंज के अन्तर्गत ट्रैकमेन्टेनर के पद पर कार्यरत श्री राजकुमार बघेल ने 03 जनवरी, 2026 को कासगंज-मथुरा खंड पर कासगंज-मारहरा ब्लॉक खंड के बीच शीतकालीन पेट्रोलिंग कार्य के दौरान देखा कि किमी. 250/2-3 में रेल टूटी हुई है तथा कासगंज से आ रही गाड़ी को प्रैक्टर लोकेशन पर पहुँचने से पहले ही रोका और तुरंत इसकी सूचना एरिया कंट्रोल एवं रेलपथ पर्यवेक्षक को दिया। श्री बघेल की सजगता और सतर्कता से एक सम्भावित घटना को रोका जा सका।

बोगी स्प्रिंग अनुभाग में स्प्रिंग पेंट बूथ का उद्घाटन मुख्य कारखाना प्रबन्धक/यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर डॉ. सुनील कुमार शर्मा की उपस्थिति में करती हुई संस्थान की वरिष्ठ महिला कर्मचारी श्रीमती मधुबाला श्रीवास्तव

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे यांत्रिक कारखाना ,गोरखपुर के बोगी स्प्रिंग अनुभाग में स्प्रिंग पेंट बूथ का उद्घाटन संपन्न हुआ। बूथ का उद्घाटन मुख्य कारखाना प्रबंधक/यांत्रिक कारखाना,गोरखपुर डॉ. सुनील कुमार शर्मा की उपस्थिति में, संस्थान की वरिष्ठ महिला कर्मचारी श्रीमती मधुबाला श्रीवास्तव के द्वारा किया गया जो कार्यस्थल पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को रेखांकित करता है और समावेशी एवं सकारात्मक कार्य-संस्कृति को प्रोत्साहित करता है। उद्घाटन के अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबन्धक डा0 सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि इसके पूर्व स्प्रिंग पेंटिंग का कार्य पारंपरिक हस्तचालित विधि से किया जाता था, जिससे समय अधिक लगता था तथा गुणवत्ता में एकरूपता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण

होता था। इस स्वचालित पेंट बूथ की स्थापना से अब पेंटिंग कार्य अधिक सुव्यवस्थित, तीव्र एवं गुणवत्तापूर्ण हो गया है। आधुनिक तकनीक के माध्यम से स्प्रिंग पर एक समान पेंटिंग सुनिश्चित हो रही है तथा वैज्ञानिक ह्यक्योरिंगह्ल प्रक्रिया के कारण पेंट की टिकाऊपन एवं मजबूती में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पेंटिंग की प्रक्रिया पूर्णतः बंद वातावरण में संपन्न होने से बाहरी धूल एवं नमी का प्रभाव न्यूनतम हो गया है, जिससे फिनिशिंग की गुणवत्ता बेहतर हुई है। यह व्यवस्था कर्मचारियों को हानिकारक वाष्पों एवं रसायनों के सीधे संपर्क से बचाते हुए कार्यस्थल की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य मानकों को सुदृढ़ करने में सहायक होगी। यह पहल यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में आधुनिकीकरण, उत्पादन क्षमता में वृद्धि, गुणवत्ता सुधार एवं सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही, इससे तकनीकी उन्नयन एवं कार्यप्रणाली में सुधार के प्रयासों को भी बल मिलता है। इस अवसर पर उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/रिपेयर श्री सतेंद्र कुमार वर्मा, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/कार्य श्री अनुज मिश्रा एवं उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (प्लांट) श्री एच.आर. खान एवं कारखाना के कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक्सपोर्ट फैक्टरिंग से घटेगा निर्यातकों का जोखिम, आउटरीच कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

कानपुर। तिलकनगर में आयोजित आउटरीच कार्यक्रम में निर्यातकों को एक्सपोर्ट फैक्टरिंग की नई व्यवस्था समझाई गई। 2.75% ब्याज सबवेंशन के साथ अब निर्यातकों को वर्किंग कैपिटल के लिए बैंक ओवरड्राफ्ट से सस्ता विकल्प मिलेगा। कानपुर में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस (फियो), इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी (आईएफएससीए) और एमआई एएक्सटी व क्रेडलिक्स के सहयोग से मंगलवार को तिलकनगर स्थित एक होटल में एक्सपोर्टर आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहर के निर्यातकों और एमएसएसई को एक्सपोर्ट फैक्टरिंग के बारे में विशेषज्ञों ने बताया। विशेषज्ञों ने कहा कि सरकार निर्यात को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। फरीदाबाद निर्यात प्रक्रिया का लगातार सरलीकरण किया जा रहा है। एक्सपोर्ट फैक्टरिंग से निर्यातकों का जोखिम घटेगा और बैंकों पर निर्भरता नहीं रहेगी। क्रेडलिक्स और मोगलिक्स के फाउंडर एवं सीईओ राहुल गर्ग ने कहा कि सरकार के एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन के तहत एक्सपोर्ट फैक्टरिंग पर 2.75 फीसदी ब्याज सबवेंशन दिया जा रहा है। यह सबवेंशन रिकर्स और नॉन-रिकर्स दोनों प्रकार की फैक्टरिंग पर उपलब्ध है।

रॉबर्ट्सगंज सांसद ने लोकसभा में भोजपुरी लोकगीत के जरिए रखी क्षेत्र में रेल सुविधाओं की मांग

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज के सपा सांसद छोटेलाल खरवार ने अपने संसदीय क्षेत्र में रेल सुविधाओं की मांग लोकसभा में गीत के जरिये रखी। उन्होंने भोजपुरी लोकगीत के माध्यम से अपनी आवाज उठाई। सोनभद्र जिले में रॉबर्ट्सगंज के सपा सांसद छोटेलाल खरवार ने अपने संसदीय क्षेत्र में रेल सुविधाओं की बहाली और विस्तार को लेकर लोकसभा में अनोखे अंदाज में आवाज उठाई। उन्होंने भोजपुरी लोकगीत के माध्यम से क्षेत्र की समस्याओं को सदन में रखा, जिससे मुद्दा प्रमुखता से चर्चा में आया। सांसद ने इस संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र भी सौंपा है। सांसद ने कोविड-19 के बाद बंद पड़ी यात्री रेल सेवाओं को पुनः शुरू कराने और नई सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। कहा कि महामारी से पहले चोपन-कटनी, चोपन-शक्तिनगर समेत कई पैसेंजर ट्रेनें संचालित होती थीं, जो दैनिक यात्रियों, छात्रों और श्रमिकों के लिए प्रमुख साधन थीं। वर्तमान में इनके बंद होने से ओबरा डैम, फफराकुंड, मगरदहा, खुलदिल रोड, मिचार्धुरी, करेला, चुर्क, सिंगरौली सहित कई स्टेशनों पर यात्री ट्रेनों का ठहराव नहीं हो रहा है, जिससे ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सांसद ने धनबाद-लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्पेशल ट्रेन (03379/03380) को चोपन होकर चलाने या वहां ठहराव देने की मांग भी उठाई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में यह ट्रेन ओबरा से गुजरती है, जिससे यात्रियों को 35-40 किलोमीटर अतिरिक्त यात्रा करनी पड़ती है। इसके अलावा त्रिवेणी एक्सप्रेस की पूर्व की भांति चार बोगियों को बरवाडीह, विंढमगंज, दुद्धी होते हुए रेणुकूट-चोपन तक जोड़ने, रांची राजधानी

(12453/12454) का सप्ताह में दो दिन सोनभद्र में ठहराव तथा लखनऊ में स्टॉपेज देने की भी मांग की गई है।

चैत्र नवरात्रि की जड़ें हिंदू पौराणिक कथाओं में गहराई से निहित

लखनऊ (संवाददाता)। राम नवमी (संस्कृतरू राम नवमी, रोमनकृतरू रामनवमी) एक हिंदू त्योहार है जो हिंदू धर्म में पूजनीय देवता राम के जन्म का उत्सव मनाता है, राम जिन्हें विष्णु के सातवें अवतार के रूप में भी जाना जाता है। राम नवमी का विश्वभर के हिंदुओं के लिए आध्यात्मिक महत्व है। राम नवमी की कथा इस बात की याद दिलाती है कि अच्छाई हमेशा बुराई पर विजय प्राप्त करती है, जैसा कि भगवान राम की राक्षस राजा रावण पर विजय से स्पष्ट होता है, और यही कारण है कि राम नवमी मनाई जाती है। राम नवमी चैत्र नवरात्रि का नौवां दिन है- ये नौ दिन देवी शक्ति के नौ रूपों को समर्पित हैं। यह त्योहार भगवान राम से भी जुड़ा हुआ है। इस दौरान प्रार्थना, झांकी, खाने-पीने की दुकानें, मेले आदि का आयोजन होता है। श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर चौक के महंत विशाल गौड़ ने बताया चैत्र नवरात्र-26 की शुरूआत 19 मार्च गुरुवार से होगी और इसका समापन 27 मार्च शुक्रवार को होगा। नवरात्र के पहले दिन की शुरूआत 19 मार्च को कलश स्थापना से की जाएगी, जिससे मां दुर्गा की पूजा की शुरूआत मानी जाती है।

नवरात्रि महोत्सव कल से, शहर में गूंजेंगे भक्ति और आस्था के स्वर

ग्वालियर। शहर में चैत्र नवरात्रि महोत्सव 19 मार्च से धूमधाम के साथ शुरू होगा। इसी दिन से चैत्र नवरात्रि भी प्रारंभ हो रही है, जिसके चलते शहर के मंदिरों में विशेष तैयारियां की गई हैं। मंदिरों को आकर्षक सजावट से सुसज्जित किया जा रहा है और विभिन्न धार्मिक आयोजनों की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

आबा महाराज मंदिर में विशेष आयोजन

दाल बाजार स्थित समर्थ गुरु रामदासजी की परंपरा के मठ संस्थान आबा महाराज श्रीराम मंदिर में 19 से 28 मार्च तक श्रीराम नवमी उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान प्रतिदिन पंचामृत पूजन, महाअभिषेक, महाआरती तथा श्रीरामचरितमानस और अध्यात्म रामायण का पारायण किया जाएगा। 19 से 23 मार्च तक प्रतिदिन शाम 6:30 से 7:30 बजे तक भोपाल के युवा साधक विभाकर शर्मा रामचरितमानस के प्रसंगों पर प्रवचन देंगे।

वाईकर मठ लक्ष्मीगंज में गुढ़ी स्थापना से शुरुआत

शहर के मराठी समाज के प्रमुख मंदिरों में भी राम नवमी महोत्सव उत्साह के साथ मनाया जाएगा। प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने बताया कि वाईकर मठ लक्ष्मीगंज में 19 मार्च को ध्वजरोहण एवं गुढ़ी स्थापना के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। प्रतिदिन शाम 7 बजे प्रवचनमाला आयोजित होगी। 27 मार्च को योगेश पुरंदरे द्वारा राम जन्म पर कीर्तन और 28 मार्च को सत्यनारायण पूजन होगा, जबकि 29 मार्च को पाद्य पूजा के साथ समापन किया जाएगा।

नारंगी बाई मंदिर और पट्टाभिराम मंदिर में भक्ति कार्यक्रमः नारंगी बाई मंदिर में प्रतिदिन शाम 7 बजे से श्री सच्चिदानंद ढोलीबुवा महाराज की कथा, आरती और प्रसाद वितरण होगा। वहीं महाराज बाड़ा स्थित प्राचीन पट्टाभिराम मंदिर में सुबह 9 बजे अध्यात्म रामायण का पाठ और शाम को महिला भजन मंडली द्वारा भजन संध्या आयोजित की जाएगी। प्रतिदिन सायं 7:30 बजे से कीर्तन कार्यक्रम महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहेगा।

गोपालदास वरैया की जयंती पर कल निकलेगी प्रभात फेरी

श्री दिगम्बर जैन मंदिर वरैया सामाजिक कल्याण समिति, दाना ओली के तत्वावधान में पंडित गोपालदास वरैया की 160वीं जयंती पर 19 मार्च को सुबह प्रभात फेरी निकाली जाएगी। मामा के बाजार स्थित जैन वरैया पंचायती मंदिर से निकलने वाली इस प्रभात फेरी में बग्घी पर पंडित जी का चित्र विराजित रहेगा, वहीं महिलाएं भजन-कीर्तन और डांडिया नृत्य करती हुई शामिल होंगी।

नव संवत्सर पर आज होगा पंचांग व ध्वज पूजन

सर्व ब्राह्मण महासंघ ग्वालियर द्वारा गुढ़ी पड़वा एवं हिन्दू नववर्ष की पूर्व संध्या पर नदी गेट स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में शाम 6 बजे पंचांग एवं ध्वज पूजन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न प्रबुद्धजन नव संवत्सर के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करेंगे।

शहर में कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित

■ ग्वालियर

शहर में कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अब भी पूर्ण रूप से बहाल नहीं हो पाई है। जिस कारण व्यापारी और रेस्टोरेंट संचालक परेशान हो रहे हैं। वहीं, घरेलू गैस सिलेंडरों की मांग में भी बढ़ोत्तरी के कारण ग्राहकों को अपने नंबर आने तक लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि लगातार आपूर्ति में रुकावट के कारण उन्हें व्यवसाय चलाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, घरेलू उपभोक्ताओं को भी सिलेंडर मिलने में देरी हो रही है, जिससे लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि बहुत जल्द ही कमर्शियल गैस सिलेंडर व्यवस्था भी सामान्य हो जाएगी। हांलाकि गैस एजेंसियों पर अब लंबी-लंबी कतारें लगना बंद हो गई हैं।

शिविर में 125 मरीजों की कैंसर जांच

ग्वालियर। स्व. विनोद सिंह रघुवंशी की स्मृति में लॉयंस क्लब अशोकनगर ने कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट के सहयोग से रघुवंशी धर्मशाला में कैंसर स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया। जिसमें करीब 125 मरीजों की जांच कर परामर्श दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और ध्वज वंदना से हुई। अतिथि के रूप में नीरज मनोरिया एवं डॉ. अलका त्रिवेदी उपस्थित रहीं। ग्वालियर से आई टीम में डॉ. आरके जैन, डॉ. गुंजन श्रीवास्तव, डॉ. दीपक शाक्य, डॉ. संजना, डॉ. राजकुमार और डॉ. संतोष सहित 20 सदस्यीय स्टाफ ने सेवाएं दीं। शिविर में मैमोग्राफी, पैप स्मीयर और पंच बायोप्सी जांचें की गईं। डॉ. गुंजन श्रीवास्तव ने कैंसर के प्रति जागरूकता और समय पर जांच की आवश्यकता बताई। क्लब अध्यक्ष अभिजीत जैन, सचिव विकास रघुवंशी, कोषाध्यक्ष गिरीश गुप्ता सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। संचालन संजय रघुवंशी ने किया। अंत में अतिथियों व चिकित्सकों का सम्मान किया गया।

हाफिजों का सम्मान आज

ग्वालियर। रमजान शरीफ के पवित्र महीने में दरगाह हजरत ख्वाजा खानून साहब पर आयोजित तीन दिवसीय शबीना शरीफ का समापन 18 मार्च की रात्रि को किया जाएगा। इस दौरान हाफिज साजिद अली साहब द्वारा कुरान शरीफ का मुकम्मल पाठ पूर्ण किया जा रहा है। दरगाह के नायब सज्जादानशीन डॉ. एजाज खानूनी ने बताया कि समापन अवसर पर शहर की विभिन्न मस्जिदों के इमाम एवं हाफिजों का सम्मान किया जाएगा।

स्वर्ग सेवा सदन आश्रम में फल वितरण, सेवा भावना का दिया संदेश

ग्वालियर। महावीर इंटरनेशनल केंद्र, ग्वालियर एवं श्री घीसूलाल अमरबाई पारख लोकोपकारी परमार्थ न्यास के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्ग सेवा सदन आश्रम, लश्कर में फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महावीर इंटरनेशनल (एपेक्स) के ट्रस्टी पारसमल पारख के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में राकेश शिवहरे, अमित शिवहरे, संजय अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

देश में अमन-चैन के लिए मांगी दुआ

भितरवार। रमजान उल मुबारक के पवित्र माह की 27वीं रात को वार्ड नंबर 4 स्थित मदरसा इस्लामिया मिसबाह उल उलूम मस्जिद में विशेष इबादत और दुआओं के साथ शबे कद्र मनाई गई। इस अवसर पर मस्जिद में कुरान शरीफ मुकम्मल किया गया। देर रात तक बड़ी संख्या में रोजेदार और मुस्लिम समाज के लोग मस्जिद में इबादत के लिए पहुंचे और अल्लाह की बारगाह में सिर झुकाकर देश-दुनिया में अमन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगी कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी और समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर सफी खान, अख्तर अली, आसिफ रियाज, शराफत खान,राजे खान, रहीश खान बल्लू, पन्ने खां, हाजी शहजाद खान, हाजी सोने खां, निजाम खान, फिरोज खान, जाहिद खान, शाहरुख खान, आशिक खान सहित सैकड़ो समाजबंधु उपस्थित रहे।

चैत्र नवरात्रि कल से मंदिरों में हो रही सजावट

ग्वालियर। हिन्दू पंचांग के अनुसार चैत्र नवरात्रि गुरुवार 19 मार्च से शुरू होगी। इसके लिए शहर के प्रमुख मंदिरों में रंगाई-पुताई और विशेष सजावट का काम जोर-शोर से चल रहा है। श्रद्धालु और मंदिर प्रबंधन उत्साह के साथ तैयारियों में जुटे हैं ताकि नवरात्रि के पावन पर्व पर भक्तों के लिए आकर्षक और भव्य वातावरण तैयार हो सके। मंदिरों में रंगाई के साथ-साथ सजावट की जा रही है। मंदिर प्रबंधन का कहना है कि नवरात्रि का यह पर्व केवल धार्मिक उत्सव ही नहीं, बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने का अवसर भी है। शहर के मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए भव्य कार्यक्रम, भजन संध्या और कथा वाचन का आयोजन किया जाएगा। भक्तों ने बताया कि वह गुरुवार से आराधना में भाग लेकर माता के आशीर्वाद प्राप्त करेंगे और पारंपरिक रूप से उपवास एवं पूजा का पालन करेंगे।

बिना ओटीपी के खाते से निकले 50 हजार

■ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की

■ ग्वालियर

साइबर ठगों को जब भी मौका मिलता है वह लोगों को अपना शिकार बनाकर उनकी मेहनत की कमाई पर डांका डाल चपत लगा देते हैं। एक ऐसा मामला और प्रकाश में आया है, जिसमें फरियादी के पास मोबाइल पर कोई ओटीपी नहीं आया फिर भी खाते से रकम निकल गई। धोखाधड़ी का पता चलने पर पीड़ित थाने पहुंचा और पुलिस को आपबीती सुनाई। आंतरी थाना क्षेत्र स्थित ग्राम लधवाया निवासी रनवीर पुत्र भारत सिंह यादव 41 वर्ष उस समय हैरान रह गए जब उनको पता चला कि ठगों ने उनके खाते से 50 हजार रुपए निकाल लिए हैं। 6 अगस्त 2025 को रनवीर सिंह यादव के मोबाइल पर मैसेज आया कि उनके खाते से 50 हजार रुपए निकल गए हैं। रकम निकलने पर वह बैंक गए और वहां पर उन्होंने अधिकारियों को अपनी समस्या बताते हुए कहा कि उनके मोबाइल पर कोई ओटीपी नहीं आया था बावजूद इसके शातिर ठगों ने खाते से रकम निकाल ली। बता दें आजकल ठग लोगों के मोबाइल को हैंग कर उनके खाते से रकम निकालकर चपत लगा रहे हैं। ठगी का पता चलने पर पीड़ित थाने पहुंचे और पुलिस को अपने साथ हुई घटना के बारे में बताया।

खेल से बढ़ती एकता: कैट क्रिकेट टूर्नामेंट में जॉन डियर टीम बनी चैंपियन

■ ग्वालियर

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ग्वालियर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन मंगलवार को कै. रूपसिंह स्टेडियम में हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री नारायण सिंह कुशवाह उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल आपसी समन्वय बढ़ाते हैं, बल्कि सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं। खेल से आपसी एकता भी बढ़ती है। कार्यक्रम में विजेता टीम को पुरस्कार डीआईजी अमित सांघी ने दिया। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री भूपेंद्र जैन ने बताया कि महिला विंग ग्वालियर और डबरा के बीच खेला गया क्रिकेट मैच बेहद रोमांचक रहा, जिसमें ग्वालियर महिला टीम विजेता और डबरा टीम उपविजेता रही। वहीं मुख्य टूर्नामेंट में 8 टीमों के बीच मुकाबलों में जॉन डियर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 'कैट किंग्स क्रिकेट कप' अपने नाम किया, जबकि मोहित ज्वेलर्स टीम उपविजेता रही। इसके अलावा डबरा और शिवपुरी की पुरुष टीमों के बीच हुए मुकाबले में डबरा टीम ने जीत दर्ज कर ट्रॉफी हासिल की। इस अवसर पर अशोक चौरसिया, दीप्ति तोमर, मोहिनी वर्मा, मुनेश सिकरवार, रवि गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

परीक्षा में तनाव मुक्त रहने और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने का मार्गदर्शन दिया

ग्वालियर। पार्वतीबाई गोखले विज्ञान महाविद्यालय में मध्य प्रदेश शासन द्वारा एनटीएफ के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए परीक्षा समय में तनाव प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चार दिवसीय ऑनलाइन मनोबल सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयोजित तृतीय दिवस के सत्र में श्री सत्य सांई सेवा संगठन द्वारा विद्यार्थियों को ध्यान के माध्यम से तनाव मुक्त होने और परीक्षा अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करने के प्रभावी तरीकों के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम का प्रसारण महाविद्यालय में प्रोजेक्टर के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील पाठक, संजय त्रिवेदी, निधि शर्मा, निवेदिता शुक्ला सहित समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण आयोजित

ग्वालियर। विकासखंड मुरार के उटीला सेक्टर स्थित एकता किड्स स्कूल में प्रस्फुटन समिति सदस्यों एवं नवांकुर सखियों का एक दिवसीय क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य समितियों को संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाना, ग्राम विकास योजनाओं में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए उन्हें सक्षम बनाना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम विकास प्रकल्प के संभागीय समन्वयक कमलेश कुमार शर्मा रहे। अध्यक्षता सुशील बरूआ ने की। प्रशिक्षण के दौरान परामर्शदाता कल्पना तिवारी एवं शैलेन्द्र चौधरी ने प्रस्फुटन समितियों की संरचना, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। संचालन राजकुमार प्रजापति ने किया।

विवाहिता ने मायके में लगाई फांसी

■ ग्वालियर

तिघरा थाना क्षेत्र में विवाहिता ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतिका

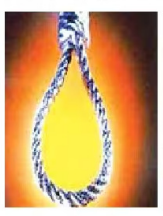

अपने पति से परेशान थी और मायके में आई थी। फांसी का पता चलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। ग्राम बिठौली निवासी कल्पना का कम्पू के रहने वाले भूपेन्द्र कुशवाह से तीन वर्ष पहले विवाह हुआ था। इन दिनों कल्पना अपने मायके में आई थी। दोपहर के समय कल्पना ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब कल्पना का भाई घर लौटकर आया और उसने कमरे में बहन कल्पना को फांसी पर लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी। महिला के फांसी लगाने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव विच्छेदन गृह पहुंचाया। बताया गया है कि कल्पना को उसका पति परेशान करता था उसी से परेशान होकर वह इन दिनों मायके में रह रही थी। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है।

शोध समाजोपयोगी होना चाहिए

ग्वालियर। मध्य भारत शिक्षा समिति द्वारा संचालित माधव विधि महाविद्यालय में आयोजित वन वीक नेशनल वर्कशॉप के दूसरे दिन शोध आधारित विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। रिद्धिमा दीक्षित ने कॉन्सेप्चुअलाइजिंग द रिसर्च फॉर प्रॉब्लम, प्रपोजल, प्लान, मेथडोलॉजी एंड प्रोग्रेस विषय पर फैकल्टी, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को उदाहरण सहित समझाया। कार्यशाला के तृतीय दिवस पर डॉ. पंकज मिश्रा ने अंडरस्टैंडिंग एंड प्रिपेयरिंग द माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट्स विषय पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि शोध समाजोपयोगी, प्रमाणिक और विश्वसनीय होना चाहिए तथा इसके लिए प्रत्येक चरण में इंटीग्रिटी और एथिक्स का पालन जरूरी है। अतिथि परिचय कार्यशाला की ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ. नीति पांडेय ने दिया।

फागोत्सव में रंगों और उमंग का संगम

■ ग्वालियर

लायनेस प्रेरणा क्लब ग्वालियर द्वारा गत दिवस होली मिलन समारोह 'फागोत्सव' का उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रंग, संगीत और आपसी भाईचारे की खूबसूरत झलक देखने को मिली। होली के गीतों पर गुंजन अग्रवाल ने आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी, वहीं रेखा ने गणेश वंदना प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में रेखा एवं शशि धाकड़ को नए सदस्य के रूप में शामिल कर उनका सम्मान किया गया। संगीता वाधवानी एवं अरुणिमा भार्गव द्वारा सरप्राइज गेम और हाउजी का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया और उपहार प्राप्त किए। कार्यक्रम में विनीता पानगड़िया, शैलजा जैन, रंजना राजपूत, शिरीन श्रीवास्तव, गुंजन अग्रवाल एवं अलका भटनागर मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पत्नी से तंग आकर पति ने खाया जहर

■ बरौआ गांव की घटना पुलिस ने जांच शुरू की

■ भितरवार

भितरवार थाना क्षेत्र के ग्राम बरौआ में मंगलवार को एक 28 वर्षीय युवक ने पत्नी से तंग आकर जहरीला पदार्थ खा लिया।

परिजन उसे भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे जहां प्राथमिक उपचार के बाद ग्वालियर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम बरौआ में मंगलवार को दोपहर के समय कृष्ण कुमार रावत 28 वर्ष पुत्र हाकिम सिंह रावत ने अपनी पत्नी से तंग आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। कृष्ण कुमार का कहना है कि पत्नी मेरे घर पर मेरे साथ ना रहते हुए अपनी मनमर्जी चलाते हुए भितरवार रहती है और आए दिन मेरे को प्रताड़ित करती है। मानसिक तनाव के चलते उसने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजन युवक को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भितरवार लेकर पहुंचे, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे ग्वालियर रेफर किया गया।

-कार्यशाला में समाजोपयोगी अनुसंधान पर जोर

'विचार से प्रभाव तक' शोध की दिशा पर मंथन

■ ग्वालियर

विज्ञान भारती मध्यभारत प्रांत ग्वालियर द्वारा एक दिवसीय उच्च स्तरीय कार्यशाला 'शोध कॉनटेक्ट-विचार से शोध और शोध से प्रभाव तक' का आयोजन मंगलवार को किया गया। कार्यशाला में करीब 200 शोधार्थियों, प्राध्यापकों और युवा संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रवीण रामदास, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर

विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी, डॉ. एसएन सिंह एवं रणजीत सिंह ने शोध की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए इसे समाजोन्मुख और प्रभावी बनाने की आवश्यकता बताई। वक्ताओं ने कहा कि शोध केवल अकादमिक तक सीमित न रहकर समाज के लिए उपयोगी होना चाहिए। कार्यशाला का उद्देश्य शोधार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान से आगे बढ़ाकर उनके शोध को व्यवहारिक एवं समाजोपयोगी दिशा देना तथा अकादमिक, उद्योग और समाज के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में आईयूएसी नई दिल्ली के निदेशक प्रो. एसी पांडेय ने समकालीन शोध चुनौतियों पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में कानपुर के प्रो. जे. रामकुमार ने शोध एवं नवाचार की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। तृतीय सत्र में डॉ. एसएन सिंह ने 'साईंटिफिक राइटिंग फॉर रिसर्च पेपर' विषय पर प्रभावी शोध लेखन के महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा किया। अंतिम सत्र में प्रो. आई.के. पात्रो ने 'राइटिंग ए विनिंग ग्रांट एप्लीकेशन' विषय पर व्यावहारिक सुझाव देते हुए सफल शोध प्रस्ताव तैयार करने के तरीके बताए। विशेषज्ञों ने समावेशी, बहुविषयक अनुसंधान, जिम्मेदार नवाचार और शोध परियोजनाओं के वित्तपोषण जैसे विषयों पर भी मार्गदर्शन दिया। संचालन सपन पटेल ने किया। इस अवसर पर प्रांत सचिव संजय कौरव, ग्वालियर इकाई के सचिव डॉ. ऋषि सोनी, मीडिया प्रभारी दीपा सिंह सिसोदिया सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

सिंधी रंगारंग संध्या में 11 मित्र जोड़ियों का सम्मान

■ ग्वालियर

चेटीचंड के पावन अवसर पर झूलेलाल कल्चरल सोसाइटी ग्रेटर ग्वालियर द्वारा स्व. गंगाराम रोहिड़ा सभागार (चेम्बर ऑफ कॉमर्स) में मंगलवार को सिंधी रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें देश की प्रसिद्ध एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गायिका सोनिया निहलानी (अहमदाबाद) और सोनू कृष्णा म्यूजिकल ग्रुप (लखनऊ) ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। देर रात तक चले कार्यक्रम में श्रोता झूमते-नाचते नजर आए।

सोसाइटी के कनवीनर श्रीचंद पंजाबी एवं भीष्म पमनानी ने बताया कि यह आयोजन हर वर्ष चेटीचंड के अवसर पर भव्य रूप से किया जाता है। कार्यक्रम में समाज की 11 मित्र

जोड़ियों सुरेश खत्री-रामचंद रोहिड़ा, सुनील शर्मा-हरीश शर्मा, श्रीचंद पंजाबी-भीष्म पमनानी, प्रहलाद रोहिड़ा-मुकेश वासवानी, संगीत पारप्यानी-मुकेश आनंदआनी, राजेश वाधवानी-राजू बालानी, नरेश पुरुस्वानी-घनश्याम फेरवानी, राजकुमार कुकरेजा-प्रकाश पंजवानी, पवन जेठवानी-अनिल भटीजा, निर्मल संतवानी-हरीश थोरानी, सुरेश लछवानी-सुभाष पुरुस्वानी को उनके सामाजिक योगदान के लिए माल्यार्पण एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। ये वे जोड़ियां हैं जिन्होंने सिंधी समाज में सेवा और सहयोग की मिसाल पेश की है। इस अवसर पर पर्व तिथि पत्रिका का विमोचन भी किया गया। संचालन श्रीचंद पंजाबी एवं दीपक जैसवानी ने किया।

सम्पादकीय

आदत बनता सोशल मीडिया, लगाम आवश्यक

बचपन की मासूमियत निगलती सोशल मीडिया की लत विश्व भर में चर्चा का विषय बन चुकी है। बच्चों तथा किशोरों पर सोशल मीडिया के प्रयोग संबंधी पाबंदी लगाने की शुरूआत ऑस्ट्रेलिया से होती हुई फ्रांस, इंडोनेशिया, स्पेन, नार्वे, ग्रीस जैसे कई देशों तक जा पहुंची है। गत दिनों भारत के आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक भी इस मुद्दे पर आवाज उठाते नजर आए। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने 13 साल से कम बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंधित करने की बात कही, जबकि कर्नाटक सरकार की घोषणा अनुसार, निर्धारित आयु सीमा 16 वर्ष रहेगी। वैश्विक नैटवर्किंग, व्यापक व्यापार तथा विपणन अवसरों, सहज अंतरूक्रिया और विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर सूचना सांझाकरण में बहु-उपयोगी सिद्ध हो रहे सोशल मीडिया का दरअसल, एक स्याह पक्ष भी है, जिसमें गोपनीयता संबंधी चिंताएं, ध्यान भटकना, गलत सूचना और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव आदि समस्याएं उभरकर सामने आ रही हैं। विशेषकर बच्चों तथा किशोरों में सोशल मीडिया के प्रति अनवरत बढ़ता आकर्षण न केवल लत बनकर उनकी सेहत निगल रहा है, अपितु असामाजिक तत्वों द्वारा उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा में सेंध लगाने का जरिया भी बन रहा है। मनोवैज्ञानिकों एवं बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय में, सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग बच्चों के मानसिक तथा भावनात्मक विकास को बहुत प्रभावित कर सकता है। मस्तिष्क विकास के दृष्टिगत किशोरावस्था का प्रारंभिक चरण अत्यधिक संवेदनशील होता है, जोकि सामाजिक दबावों, साथियों के विचारों आदि से काफी हद तक प्रभावित हो सकता है। वास्तव में, सोशल मीडिया का लगातार उपयोग भावनाएं-आवेग नियंत्रित करने वाले क्षेत्रों में विशेष परिवर्तन ला सकता है, जिससे सामाजिक संकेतों के प्रति संवेदनशीलता बढने से हृदय अधिक भावुक या दुखी हो सकता है। ऑनलाइन धमकाया जाना अथवा साथियों का दबाव (पीअर प्रैशर) किशोरों को तनाव अथवा आत्मघाती विचारों की ओर मोड़ सकता है। आधुनिक बच्चों के व्यवहार में अधीरता, आक्रामकता, चिड़चिड़ापन आदि लक्षण बहुतायत में देखे जा सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक खेल-कूद से दूरी, परिवर्तित लाइफ स्टाइल एवं बढ़ता स्क्रीन टाइम इसमें प्रमुख कारण हैं। यद्यपि पूर्णतरू प्रमाणित नहीं, तथापि कुछ शोधों के तहत, सोशल मीडिया का उपयोग अवसाद तथा चिंता जैसे लक्षण उत्पन्न कर सकता है। स्क्रीन से निकलने वाली रोशनी सर्कैडियन रिदम को बाधित कर सकती है। देर रात सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने से नींद का पैटर्न गड़बड़ा सकता है। बहुत अधिक समय बिताने से एकाग्रता में कमी जैसे लक्षण सामने आ सकते हैं। 2020 में हुए अध्ययन के अनुसार, एक माह के लिए अपना फेसबुक अकाऊंट निष्क्रिय करने वाले कुछ लोगों ने अवसाद तथा चिंता में कमी के साथ-साथ खुशी और जीवन संतुष्टि में बढ़ौतरी होने की सूचना दी। सोशल मीडिया का निकृष्टतम पहलू है, साइबर बुलिंग अथवा साइबर धोखाधड़ी, जिसमें यौन शोषण से लेकर वित्तीय ब्लैकमेल के लिए अंतरंग छवियों को वितरित करना आदि शामिल हैं। एक अध्ययन के तहत, 72 प्रतिशत किशोरों ने किसी न किसी समय साइबर बुलिंग का शिकार होने की बात स्वीकारी। सरसरी तौर पर भले ही यह निर्णय अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान अभिभावकों की चिंता कम करने वाला प्रतीत होता हो, किंतु कार्यान्वयन के आधार पर व्यावहारिकता जांचें तो इसे लागू करने में अड़चनें भी कम नहीं! सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाना कुछ मायनों में अवश्य अच्छा हो सकता है लेकिन इसे पूर्णतरू प्रतिबंधित करना संभव नहीं, वह भी आज के तकनीकी दौर में, जब इसका प्रयोग पठन-पाठन, ज्ञानार्जन आदि से लेकर शैक्षिक संस्थानों द्वारा गृहकार्य, सूचनाएं वगैरह भेजने के निमित्त किया जाता हो। चूंकि घोषणा का प्रारूप अभी तक स्पष्ट नहीं, ऐसे में इस प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित होगा, समझना मुश्किल है? सोशल मीडिया संचालित करने वाली तकनीकी कंपनियां इस बाबत कितना सहयोगी रवैया अपनाएंगी, यह भी स्वयं में एक यक्ष प्रश्न है? किशोरों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाने के निहितार्थ भारत के दो राज्यों में उठी यह गूंज अवश्य सार्थक सिद्ध हो सकती है, यदि घोषणा को अमली जामा पहनाने में अपेक्षित तत्परता दिखाई जाए। बृहद परिवर्तन तभी संभव है, जब सरकारें, शिक्षा संस्थान, अभिभावक तथा तकनीकी प्लेटफार्म पारस्परिक सामंजस्य से एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए सारगर्भित हल निकालें। तब दो राज्यों की पहल एक सार्थक मुहिम बनकर केंद्र सरकार के सहयोग से ऐसे गंभीर विषय पर केंद्रीय कानून लाने की ओर उन्मुख होगी। बच्चे देश का भविष्य हैं, उनका आज और कल सेहतमंद एवं सुरक्षित बनाना सांझा दायित्व है।

ईरान और अफगानिस्तान में बढ़ते तनाव से भू-राजनीतिक संकट में फंसा

ईरान व अफगानिस्तान में बढ़ते तनाव ने पाकिस्तान को ऐसे भू-राजनीतिक संकट में ला दिया है, जिसे न वह अनदेखा कर सकता है, न संभाल सकता है। आज पाकिस्तान अपने हालिया इतिहास के सबसे जटिल रणनीतिक क्षणों में से एक से गुजर रहा है। उसके पश्चिम पड़ोस में हो रहे घटनाक्रमों, विशेष रूप से ईरान के आसपास की उथल-पुथल और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ तेजी से बिगड़ते संबंध, ने ऐसा भू-राजनीतिक दबाव पैदा कर दिया है, जिसे वह न तो अनदेखा कर सकता है और न ही आसानी से संभाल सकता है। पाकिस्तान खुद को अनिश्चितता, आतंकी प्रतिक्रिया और भू-राजनीतिक जोखिमों से घिरा हुआ पाता है, जो आने वाले वर्षों में उसके सुरक्षा परिदृश्य को पूरी तरह बदल सकते हैं। पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा शायद ही कभी शांत रही हो, लेकिन मौजूदा हालात असामान्य रूप से पेचीदा हैं। ईरान महज एक पड़ोसी नहीं है, बल्कि एक अहम भू-राजनीतिक और आर्थिक साझेदार भी है। दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के दुर्गम इलाके से गुजरती है, जो लंबे समय से अस्थिर रहा है। ईरान में उथल-पुथल से सीमा पार सक्रिय अलगाववादी नेटवर्क के मजबूत होने और अशांत प्रांत बलूचिस्तान में सुरक्षा हालात के और पेचीदा होने का खतरा है। इसके अलावा, पाकिस्तान लंबे समय से ऊर्जा की कमी से भी जूझ रहा है, इसलिए ईरानी गैस उसके लिए आकर्षक विकल्प रही है। ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन प्रतिबंधों और राजनीतिक दबावों के कारण रुकी हुई है। अगर ईरान में अस्थिरता बढ़ती है, तो इस परियोजना में और अधिक देरी हो सकती है या यह पूरी तरह रुक सकती है, जिससे पाकिस्तान की आर्थिक कमजोरियां और बढ़ जाएंगी। इसके अलावा, ईरान के बाहर, शिया आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा पाकिस्तान में ही रहता है। ईरान से जुड़ा कोई भी संघर्ष पाकिस्तान के भीतर सांप्रदायिक तनाव भड़का सकता है। इसलिए, ईरान में होने वाली उथल-पुथल का असर पाकिस्तान में बहुत जल्द महसूस किया जा सकता है। इसके अलावा, अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के साथ पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव भी एक अन्य समस्या है। पाकिस्तान का मानना था कि काबुल में एक दोस्ताना शासन होने से अफगानी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ नहीं होगा और वहां भारत का प्रभाव सीमित रहेगा। पर 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद दोनों के रिश्ते धीरे-धीरे खराब होते चले गए। सबसे बड़ा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की मौजूदगी को लेकर है, जिसने पाकिस्तान में कई हमलों को अंजाम दिया है। यह तनाव समय-समय पर खुलकर टकराव में बदलता रहा है। अफगान सीमा के पार कथित उग्रवादी ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए ?पाकिस्तानी हवाई हमलों और तालिबान नेताओं की जवाबी कार्रवाई ने दोनों के रिश्तों को खतरनाक मोड़ पर पहुंचा दिया है। डूरंड रेखा विवाद इस स्थिति को और जटिल बना देता है। इसके बावजूद, इस्लामाबाद के कुछ रणनीतिकारों को क्षेत्रीय उथल-पुथल से कुछ सीमित अवसर उभरते हुए दिखाई दे रहे हैं। यदि ईरान बाहरी दबावों में उलझ जाता है, तो हो सकता है कि बलूच सीमा पर पाकिस्तान को ईरान की तरफ से कम निगरानी का सामना करना पड़े। इसी तरह, अफगानिस्तान का गहरा आर्थिक संकट अंततः तालिबान नेतृत्व को इस्लामाबाद के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर वार्ता के लिए मजबूर कर सकता है, खासकर तब, जब उन्हें व्यापारिक पहुंच या वित्तीय सहयोग की आवश्यकता हो। लेकिन ये केवल अनुमान हैं। असल में, जोखिम अवसरों पर भारी पड़ रहे हैं। पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर चल रही मुश्किलें उसके सैन्य व खुफिया संसाधनों पर दबाव डालती हैं, जिससे उसकी पूर्वी सीमा पर ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम हो जाती है। फिर भी, भारत यह मानकर नहीं चल सकता कि पाकिस्तान के पड़ोस में अस्थिरता उसके लिए रणनीतिक लाभ बन जाएगी। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ती अस्थिरता से उग्रवादी संगठनों की गतिविधियां पूरे क्षेत्र में फैल सकती हैं। कट्टरपंथी नेटवर्क मजबूत हो सकते हैं, जिससे पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा स्थिति और जटिल हो सकती है। इसलिए, भारत इन घटनाक्रमों को सावधानी से देखता है। इस बदलती हुई स्थिति में एक और अहम खिलाड़ी चीन है। पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर जारी अस्थिरता वहां चीन के निवेश और क्षेत्रीय संपर्क योजनाओं के लिए भी खतरा पैदा करती है। इसके अलावा, अफगानिस्तान में सक्रिय उग्रवादी नेटवर्क उसके शिनजियांग क्षेत्र में मौजूद चरमपंथी समूहों को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए, बीजिंग ने इस्लामाबाद और काबुल के बीच संवाद को प्रोत्साहित किया है। ईरान व अफगानिस्तान की तनावपूर्ण स्थितियों ने पाकिस्तान को एक अहम मोड़ पर ला खड़ा किया है। अगर उसकी पश्चिमी सीमा पर अस्थिरता बढ़ती है, तो इस्लामाबाद को लंबे समय तक चलने वाले सुरक्षा संकट का सामना करना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक सुधार व घरेलू प्रशासन पर ध्यान देना कठिन हो जाएगा। उसे क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक एकीकरण और उग्रवादी समूहों पर निर्भरता से दूरी बनाने को प्राथमिकता देनी होगी। पर यह आसान नहीं होगा।

पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा शायद ही कभी शांत रही हो, लेकिन मौजूदा हालात असामान्य रूप से पेचीदा हैं। ईरान महज एक पड़ोसी नहीं है, बल्कि एक अहम भू-राजनीतिक और आर्थिक साझेदार भी है। दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के दुर्गम इलाके से गुजरती है, जो लंबे समय से अस्थिर रहा है। ईरान में उथल-पुथल से सीमा पार सक्रिय अलगाववादी नेटवर्क के मजबूत होने और अशांत प्रांत बलूचिस्तान में सुरक्षा हालात के और पेचीदा होने का खतरा है। इसके अलावा, पाकिस्तान लंबे समय से ऊर्जा की कमी से भी जूझ रहा है, इसलिए ईरानी गैस उसके लिए आकर्षक विकल्प रही है। ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन प्रतिबंधों और राजनीतिक दबावों के कारण रुकी हुई है। अगर ईरान में अस्थिरता बढ़ती है, तो इस परियोजना में और अधिक देरी हो सकती है या यह पूरी तरह रुक सकती है, जिससे पाकिस्तान की आर्थिक कमजोरियां और बढ़ जाएंगी। इसके अलावा, ईरान के बाहर, शिया आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा पाकिस्तान में ही रहता है। ईरान से जुड़ा कोई भी संघर्ष पाकिस्तान के भीतर सांप्रदायिक तनाव भड़का सकता है। इसलिए, ईरान में होने वाली उथल-पुथल का असर पाकिस्तान में बहुत जल्द महसूस किया जा सकता है। इसके अलावा, अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के साथ पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव भी एक अन्य समस्या है। पाकिस्तान का मानना था कि काबुल में एक दोस्ताना शासन होने से अफगानी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ नहीं होगा और वहां भारत का प्रभाव सीमित रहेगा। पर 2021 में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद दोनों के रिश्ते धीरे-धीरे खराब होते चले गए। सबसे बड़ा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की मौजूदगी को लेकर है, जिसने पाकिस्तान में कई हमलों को अंजाम दिया है। यह तनाव समय-समय पर खुलकर टकराव में बदलता रहा है। अफगान सीमा के पार कथित उग्रवादी ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए ?पाकिस्तानी हवाई हमलों और तालिबान नेताओं की जवाबी कार्रवाई ने दोनों के रिश्तों को खतरनाक मोड़ पर पहुंचा दिया है। डूरंड रेखा विवाद इस स्थिति को और जटिल बना देता है। इसके बावजूद, इस्लामाबाद के कुछ रणनीतिकारों को क्षेत्रीय उथल-पुथल से कुछ सीमित अवसर उभरते हुए दिखाई दे रहे हैं। यदि ईरान बाहरी दबावों में उलझ जाता है, तो हो सकता है कि बलूच सीमा पर पाकिस्तान को ईरान की तरफ से कम निगरानी का सामना करना पड़े। इसी तरह, अफगानिस्तान का गहरा आर्थिक संकट अंततः तालिबान नेतृत्व को इस्लामाबाद के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर वार्ता के लिए मजबूर कर सकता है, खासकर तब, जब उन्हें व्यापारिक पहुंच या वित्तीय सहयोग की आवश्यकता हो। लेकिन ये केवल अनुमान हैं। असल में, जोखिम अवसरों पर भारी पड़ रहे हैं।

अस्पताल के दस्तावेजों में गलतियां, जिनसे क्लेम रिजैक्ट हो सकता है

प्रीति कुलकर्णी

जब 2025 में मुंबई के रहने वाले पार्थ नागदा के पिता को दिल की बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया, तो उन्हें खर्च की ङ्कषचता नहीं थी, क्योंकि उनके फैमिली फ्लोटर प्लान में उनके माता-पिता भी शामिल थे। लेकिन, उनकी हैल्थ इंश्योरैंस कंपनी ने उनका क्लेम यह कहकर रिजैक्ट कर दिया कि उन्होंने पहले से मौजूद किडनी की क्रोनिक बीमारी (सी.के.डी.) के बारे में जानकारी नहीं दी थी। नागदा बताते हैं, मेरे पिता को तब तक किडनी से जुड़ी कोई समस्या नहीं थी। अस्पताल में भर्ती होते समय नेफ्रोलॉजिस्ट ने बस उनके क्रिएटिनिन लैवल (जो किडनी के काम करने का एक संकेत है) के ज्यादा होने की बात कही थी। बाद में उन्हें पता चला कि डिस्चार्ज के समय ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने गलती से डिस्चार्ज समरी में सी.के.डी. लिख दिया था, जिसकी वजह से उनका क्लेम रिजैक्ट हो गया। नागदा का केस संभालने वाले इंश्योरैंस कंसल्टैंट मयंक गोसर बताते हैं, नेफ्रोलॉजिस्ट के नोट्स में सी.के.डी. के आगे सिर्फ एक सवालिया निशान था, जो इस बात का संकेत था कि उन्हें इस बारे में पक्का पता नहीं था लेकिन रैजिडैंट डॉक्टर ने इसे पक्के तौर पर लिख दिया। पहले से सी.के.डी. की कोई हिस्ट्री न होने के बावजूद, उनका क्लेम रिजैक्ट हो गया। आखिर में, नागदा और गोसर ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। गोसर आगे बताते हैं, तब जाकर इंश्योरैंस कंपनी ने इस मामले पर ध्यान दिया और क्लेम को दोबारा खोला गया और अंततरू क्लेम पास हो गया। नागदा की तरह ही, मनीष श्रीवास्तव को भी अपनी पत्नी की डिस्चार्ज समरी में गलत जानकारी लिखे होने की वजह से परेशानी उठानी पड़ी। श्रीवास्तव बताते हैं, उनकी पत्नी के घुटने में सूजन थी और उन्हें बुखार था, जिसके लिए उनका इलाज दिल्ली के एक अस्पताल में हुआ। मैंने अपनी कॉर्पोरेट पॉलिसी के तहत क्लेम फाइल किया और उसका पेमैंट भी हो गया। लेकिन, अस्पताल ने आगे के इलाज और कुछ जांच करवाने की सलाह दी, जिसके लिए हमने लखनऊ जाने का फैसला किया। श्रीवास्तव बताते हैं, जब मैंने लखनऊ के अस्पताल में हुए आगे के इलाज के लिए रीइम्बर्समैंट क्लेम फाइल किया, तो इंश्योरैंस कंपनी ने उनकी हैल्थ हिस्ट्री में एच.टी.एन (हाई ब्लड प्रैशर) लिखा हुआ देखा, और यह कहकर उनका क्लेम रिजैक्ट कर दिया कि उन्होंने पहले से मौजूद हाई ब्लड प्रैशर की बीमारी के बारे में जानकारी नहीं दी थी। जबकि, उन्हें यह बीमारी कभी थी ही नहीं। अस्पताल से एक चिट्ठी मिलने के बावजूद, जिसमें टाइपिंग की गलती की बात मानी गई थी, इंश्योरैंस कंपनी ने क्लेम देने से मना कर दिया। आखिरकार, शिकायत निवारण विभाग को एक औपचारिक चिट्ठी भेजने और कई बार फॉलो-अप करने के बाद, उन्होंने क्लेम का कुछ हिस्सा दे दिया। ऐसी गलतियां तब होती हैं, जब अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टर कुछ जानकारियां गलत बता देते हैं। इंश्योरेंस एक्सपर्ट का कहना है कि मरीज-पॉलिसीहोल्डर अक्सर अपनी डिस्चार्ज समरी को ध्यान से नहीं देखते, क्योंकि मैडिकल की तकनीकी भाषा समझना आसान नहीं होता, जिसका असर क्लेम के निपटारे पर पड़ सकता है।अस्पताल में भर्ती होने की चौकलिस्ट रू अस्पताल में भर्ती होते समय, साथ आए लोगों और अगर मुमकिन हो तो मरीजों को भी, ज्यादा सावधान रहना चाहिए। बेशक डॉट ऑर्ग के को-फाऊंडर महावीर चोपड़ा कहते हैं, डॉक्टर शुरू में कुछ रिकॉर्ड बनाते हैं, जिनमें भर्ती के समय मिली जानकारियों का ब्योरा होता है। आप इन रिकॉर्ड की कॉपी मांगकर उन्हें देख सकते हैं, ताकि गलतियां पकड़ में आ जाएं और उन्हें समय पर ठीक किया जा सके। सबसे अच्छा यही होगा कि कोई ऐसा व्यक्ति, जिसे मरीज की मैडिकल हिस्ट्री के बारे में पता हो, वह डॉक्टरों को सारी जानकारियां दे। चोपड़ा आगे कहते हैं, अपनी सभी मैडिकल फाइलें साथ रखना सबसे सही तरीका है। इससे गलतियों या मैडिकल हिस्ट्री को गलत तरीके से बताने का खतरा कम हो जाता है। अपनी तरफ से, पॉलिसीधारकों को पॉलिसी खरीदते समय अपनी मौजूदा स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में पूरी तरह से ईमानदार रहना चाहिए। आखिर, सबसे अच्छा इलाज पाने के लिए उन्हें डॉक्टरों को अपनी मैडिकल हिस्ट्री बतानी ही होगी। नहीं तो, छुपाई गई स्वास्थ्य जानकारी आपके क्लेम में दिक्कत खड़ी कर सकती है। आपको अपनी पिछली डायग्नोस्टिक रिपोर्ट का रिकॉर्ड भी रखना चाहिए।

वर्जीनिया वुल्फ की नॉवेल- 'टू द लाइटहाउस'

इंग्लिश लेखिका वर्जीनिया (जन्म का नाम वर्जीनिया स्टीफन) वुल्फ किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। 25 जनवरी 1882 को लंदन में जन्मी इस उपन्यासकार ने अपनी नॉन लीनियर लेखन शैली से उपन्यास की दिशा/दशा बदल दी। वैसे तो वे मिसेज डैलोवे एवं टू द लाइटहाउस केलिए ही अधिक प्रसिद्ध हैं। मगर उन्होंने पत्र, डायरी, निबंध और बहुत कुछ लिखा। वे कलात्मक सिद्धांत, साहित्यिक इतिहास, स्त्री लेखन तथा अपने राजनैतिक निबंधों केलिए भी ख्यात हैं। बार-बार अवसाद में जाती और लेखन द्वारा उससे उबरने की कोशिश करती वर्जीनिया वुल्फ ने प्रयोगात्मक जीवनी लेखन के अलावा चित्रात्मक लघु कथाएं भी रचीं। आज उनके टू द लाइटहाउस पर बात करती हूं। 5 मई 1927 को प्रकाशित टू द लाइटहाउस एक शोक-गीत है। इसे उन्होंने अपनी मां जूलिया जैक्सन स्टीफन की स्मृति में रचा है। उनकी मां अत्यंत खूबसूरत महिला अपने त्याग एवं सामाजिक कार्यों केलिए प्रसिद्ध थीं। उन्हीं की मृत्यु की 32वीं वर्षगांठ पर उन्होंने इसकी रचना की। इसमें वे अपने बचपन की गर्मियों में बिताई यादों को फिर-फिर से जीतीं हैं। करीब 200 पन्नों का यह उपन्यास तीन भागों- द विंडो, समय बीतता है तथा द लाइटहाउस में विभक्त है। तीनों भाग में वुल्फ स्ट्रीम ऑफ कॉन्सेसनेस की तकनीक का प्रयोग करती हैं, ताकि पात्रों के आंतरिक विचार एवं उनकी भावनाएं पाठक तक बखूबी पहुंच सकें, इसमें वे खूब सफल होती हैं। पूरी कहानी स्मृति,

हानि और समय को दिखाती है। रैमसे परिवार प्रत्येक गर्मी की छुट्टियों में अपने स्कॉटलैंड स्थित घर जाते हैं। वे सोचते हैं, वे लोग सदा ही ऐसा करेंगे। मगर प्रथम विश्वयुद्ध का खतरा सिर पर मंडरा रहा है। युद्ध के इस संभावित खतरे से पारीवारिक एवं सामाजिक जीवन प्रभावित है। पहला भाग द विंडो पहला भाग द विंडो का स्थान उन लोगों का ग्रीष्मकालीन घर है। जहां मिसेज रैमसे और उनके 6 साल के सबसे छोटे बेटे जेम्स रैमसे के फ्रैंच खिड़की के पास बैठे होने से उपन्यास का प्रारंभ होता है। जेम्स नजदीकी लाउटहाउस में जाना चाहता है, वह जाने की जिद करता है। मगर मिस्टर रैमसे इसे असंभव करार देते हैं। जिससे तनाव पैदा हो जाता है। उनके यहां मेहमान आते हैं। मिसेज रैमसे घर और मेहमानों की देखभाल करती हैं। लिली ब्रिस्को पेंटिंग करती है, मगर संतुष्ट नहीं है। यहीं पाठक मिस्टर रैमसे, मिसेज रैमसे की खूबियों-खामियों से परिचित होता चलता है। पति के लिए जीवन की उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं, जबकि मिसेज रैमसे तर्क से अधिक लोगों की भावनाओं को जानती-समझती हैं। लाइटहाउस जाने की बात टलती जाती है। दूसरा भाग आधुनिक साहित्य के मील के पत्थर, टू द लाइटहाउस का दूसरा भाग समय बीतता है, दस साल बाद प्रारंभ होता है। रैमसे परिवार गर्मियों में इस घर में लौटने वाला है अतः घर की साफ-सफाई, मरम्मत चल रही है। चारो ओर घास-फस, फफूंद, गर्द छाया हुआ है। इन दस वर्षों में काफी उथल-पुथल हुई है। मिसेज रैमसे और उनके दो बच्चों की मृत्यु हो चुकी है। उपन्यासकार इसकी सूचना मात्र देती है। पहले भाग के कई पात्र वापस इस घर में लौटते हैं। वुल्फ थोड़े में बहुत कह देती हैं। परिवार के सदस्यों के रिश्तों की बारीकियों को प्रकट करने में वे माहिर हैं। पढ़ते हुए पाठक अपने आस-पास के तमाम लोगों को देखता चलता है। वे दैनंदिन जीवन को खूबसूरती से भाषा में बांधती हैं, जिसकी प्रशंसा उनके आलोचक भी करते हैं। तीसरा भाग कई साल बाद उपन्यास का तीसरा भाग, द लाइटहाउस शुरू होता है। एक बार फिर से मिस्टर रैमसे, उनके बच्चे जेम्स और कैम, लिली ब्रिस्को एवं कई अन्य पात्र गर्मियों में इस घर में वापस आते हैं। बच्चे अब बड़े हो चुके हैं। इस बार लाइटहाउस की यात्रा संभव होती है। वे लोग लाइटहाउस जाते हैं। परिवार के सदस्य एक-दूसरे के करीब आ चुके हैं। लिली की पेंटिंग अब पूरी होती है। वह भावपूर्ण तरीके से कला की वकालत करती है। वुल्फ परिवार की छुट्टियों का चित्रात्मक वर्णन तरीके से करती हैं। उपन्यास विवाह, अभिभावकत्व, बचपन, कटुता, पीड़ा का सघन चित्रण करता है। काव्यात्मक गद्य में लिखा गया उपन्यास, टू द लाइटहाउस समाप्त करने के बाद भी काफी समय तक पाठक के साथ चलता रहता है। उस समय के प्रचलित विक्टोरियन एवं एडवर्डियन साहित्यिक मूल्यों को वुल्फ पूरी तरह से खारिज करती हैं। लियोनार्ड वुल्फ तथा वर्जीनिया ने 1912 अगस्त में शादी की। इसीलिए वे वर्जीनिया वुल्फ कहलाईं।

नीतीश-डीजीपी के सिपाही बनने की कहानी

बिहार में 20 सालों तक सत्ता का निर्बाध आनंद लेने के बाद नीतीश कुमार अब फिर दिल्ली की राजनीति में लौट रहे हैं। 2005 में बिहार का मुख्यमंत्री बनने से पहले नीतीश कुमार छह बार लोकसभा सांसद रह चुके हैं, लेकिन अब सातवीं बार सांसद बनने के लिए उन्होंने राज्यसभा को चुना। बिहार में नीतीश कुमार समेत एनडीए के पांचों उम्मीदवारों ने राज्यसभा चुनाव जीत लिया है। मजेदार बात ये है कि तीन विभिन्न पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्ष इनमें शामिल हैं। नीतीश कुमार जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, उपेन्द्र कुशवाहा राष्ट्रीय लोकमोर्चा के अध्यक्ष हैं और नितिन नवीन बिहार और केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वैसे बिहार में राज्यसभा चुनावों की सबसे खास बात यही रही कि पहली बार किसी मौजूदा मुख्यमंत्री ने राज्य की सत्ता छोड़कर राज्यसभा को चुना हो। राज्य की सत्ता छोड़कर नरेन्द्र मोदी भी आए थे, लेकिन उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ा था और सामने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी थी। जबकि नीतीश कुमार ने तो इंडिया गठबंधन इसी नाम पर छोड़ा था कि उन्हें विपक्षी मोर्चे की तरफ से प्रधानमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया गया था। केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के बाद नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षा अगर प्रधानमंत्री बनने की थी, तो उसमें न कुछ गलत है, न आश्चर्य है। लेकिन असली हैरानी इसी बात पर है कि आखिर राज्यसभा के लिए 20 सालों की राज्य की सत्ता को कौन ठुकराता है। अभी तो ये भी तय नहीं है कि नीतीश कुमार को कौन सा मंत्री पद मिलता है, या अगले साल उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाता है। वैसे इतना तो तय है कि इस समय नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने से जदयू के लोग तो खुश नहीं ही हैं, बिहार के लोगों को भी भाजपा का ये राजनीतिक खेल समझ नहीं आ रहा है, कि एकदम से उन्हें नीतीशविहीन क्यों किया जा रहा है। उनके पैतृक गांव कल्याण बिगहा में एक व्यक्ति ने बीबीसी से कहा कि यह तो डीजीपी के सिपाही बनने जैसा है। वहीं जदयू में नीतीश के पुराने साथी के सी त्यागी ने तो अब पार्टी ही छोड़ दी, जबकि बहुत से कार्यकर्ताओं ने निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। ये मांग तो शायद ही पूरी हो, लेकिन परिवारवाद की माला जपते हुए नीतीश कुमार ने बेटे निशांत का राजनीति में प्रवेश करा ही दिया है। निशांत कुमार क्या अपने पिता की तरह बिहार के लोगों के दिल में जगह बना पाएंगे, क्या नीतीश कुमार को किसी भी खेमे में रहने के बावजूद जो समर्थन मिलता रहा, वैसा ही समर्थन निशांत कुमार को मिलेगा, नीतीश को इसकी चिंता भी करना चाहिए। लेकिन नीतीश कुमार के लिए इस समय सबसे बड़ी चिंता बिहार में भाजपा का वर्चस्व कायम होने की होनी चाहिए। एनडीए का सहयोगी होने के बावजूद नीतीश कुमार ने भाजपा को कभी बिहार में बड़ा भाई नहीं बनने दिया था, लेकिन 2025 के चुनावों में भाजपा बड़े भाई से आगे बढ़कर मोहल्ले का दादा ही बन चुकी है। कहा जा रहा है कि अब भाजपा अपने मुख्यमंत्री बनाने का सपना पूरा कर लेगी, इसके लिए शायद पिछले साल चुनावों में ही सौदेबाजी कर ली गई थी कि जनता को दिखाने के लिए नीतीश कुमार को कुछ दिन मुख्यमंत्री बनाया जाए और फिर धीरे से उनसे ये पद ले लिया जाए। अगर इस दावे में दम है तो यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। क्योंकि अक्सर ऐसी सौदेबाजियां भष्ट तरीकों से सत्ता हासिल करने का रास्ता बनाती हैं। नीतीश कुमार के दिल्ली आने से बिहार में एक बड़ा बदलाव यह होगा कि राज्य से जे पी आंदोलन की बची-खुची यादों की भी विदाई हो जाएगी। शरद यादव रहे नहीं, लालू प्रसाद यादव भी राजनीति में कम ही सक्रिय हैं, उनकी जगह तेजस्वी ने पार्टी संभाल ली है और अब नीतीश कुमार भी पूरी तरह भाजपा के रंग में रंग चुके हैं। 2005 में जब उन्होंने लोकसभा सीट छोड़कर मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली थी तब उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि वे इतने लंबे समय तक राज्य की राजनीति के केंद्र में रहेंगे। 24 नवंबर 2005 को जब उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तब उन्होंने बिहार को श्जंगलराज्य से बाहर निकालने का संकल्प लिया था। जिसे जनता ने हाथोंहाथ लिया। हालांकि अब जब उनकी विदाई हो रही है, तब भी हालात सुधरे नहीं हैं, बल्कि जिस सांप्रदायिक ध्रुवीकरण से लालू प्रसाद ने बिहार को दूर रखा, वो अब सिर चढ़कर बोल रहा है। नरेन्द्र मोदी की इस राजनीति का विरोध करने के लिए एनडीए से 17 साल पुराना गठबंधन तोड़कर लालू यादव के साथ महागठबंधन नीतीश ने बनाया और तब भी बिहार के मुख्यमंत्री वही रहे। बस थोड़े वक्त के लिए जीतनराम मांझी मुख्यमंत्री रहे, उसमें भी सरकार की डोर नीतीश के पास ही रही। हालांकि 2017 में नीतीश फिर भाजपा के साथ हो लिए, मगर इसके बाद वर्ष 2022 में फिर पाला बदल लिए और साल 2024 के चुनाव से ठीक पहले एक बार फिर एनडीए में शामिल हो गए। यह शायद आखिरी मौका था जब नीतीश कुमार ने अपनी मर्जी से फैसला लिया, क्योंकि इस बार भाजपा ने उन्हें ऐसे जकड़ कर रखा कि मोदी सरकार की बहुत सी बातों से असहमत होते हुए भी नीतीश कुमार हामी भरने पर मजबूर रहे।

कौशल विकास मंत्री ने किया रोजगार मेले का उद्घाटन

लखनऊ (संवाददाता)। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने वृहद रोजगार मेला-2026 का उद्घाटन किया, जिसमें हजारों युवाओं को नौकरी के अवसर मिलेंगे। कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कौशल दृष्टि, कौशल दर्पण और कौशल दोस्त नामक डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किए गए। उन्होंने कहा कि कौशल दृष्टि एक मोबाइल एप्लिकेशन है जो प्रशिक्षण केंद्रों की वास्तविक समय में निगरानी करता है, कौशल दर्पण एक एआई-आधारित डैशबोर्ड है जो कौशल विकास से संबंधित जानकारी को एकीकृत करता है, और कौशल दोस्त एक चैटबॉट है जो उपयोगकर्ताओं को तत्काल सहायता प्रदान करता है। श्री अग्रवाल ने युवाओं को कौशल, आत्मविश्वास, प्रभावी संचार कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं को यह भी सलाह दी कि वे अपने करियर को लेकर धैर्य रखें और बेहतर अवसर के बिना नौकरी छोड़ने से बचें।सरकार का लक्ष्य युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला उद्यमी बनाना है। उत्तर प्रदेश सरकार रोबोटिक्स, ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 3डी प्रिंटिंग, सोलर एनर्जी और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान कर रही है।

लंबा जीना है तो अपनी प्लेट में शामिल करें ये पांच चीजें! इनमें है सभी अहम तत्व

अगर आप लंबा जीना चाहते हैं तो अपने खाने की थाली में पांच चीजों को अवश्य शामिल करें। यहां हम आपको इन जरूरी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं। लंबा और स्वस्थ जीवन जीने की चाह हर किसी में होती है, लेकिन इसके लिए सिर्फ मेहनत या व्यायाम ही पर्याप्त नहीं है। हम सभी को ये समझने की जरूरत है कि हमारी रोजमर्रा की डाइट यानी खाने की थाली में शामिल चीजें सीधे तौर पर हमारी सेहत और उम्र पर असर डालती हैं। डॉक्टर भी कहते हैं कि सही पोषण और संतुलित आहार लेने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, दिल और दिमाग स्वस्थ रहते हैं और ऊर्जा बनी रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ खास खाद्य पदार्थ ऐसे हैं, जिन्हें रोजाना खाने से लंबा जीवन और बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सकता है। इनमें प्रोटीन, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चीजें शामिल होती हैं। अगर आप भी अपनी थाली को हेल्दी बनाना चाहते हैं और उम्र बढ़ाने के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता भी सुधारना चाहते हैं, तो यहां हम आपको पांच ऐसी जरूरी चीजों के बारे में बता रहे हैं जिन्हें अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी, ब्रोकली, सरसों का साग आदि विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं।

इनमें मौजूद विटामिन अ, उ, ड और फोलेट हृदय, आंखों और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

एंटीऑक्सीडेंट शरीर में फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान को कम करता है।

इसकी वजह से लोगों की उम्र बढ़ती है।

फल

फल जैसे सेब, केला, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी, संतरा और अनार प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं।

इनमें प्राकृतिक शुगर, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते हैं जो हृदय, पाचन और मेटाबॉलिज्म के लिए फायदेमंद हैं।

रोजाना 2-3 सर्विंग फल लेने से दिल और दिमाग दोनों स्वस्थ रहते हैं।

नट्स और बीज

नट्स और बीज जैसे बादाम, अखरोट, चिया और फ्लैक्ससीड हृदय स्वास्थ्य, मस्तिष्क के विकास और ऊर्जा बढ़ाने में मदद करते हैं।

इनमें हेल्दी फैट्स, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और फाइबर मौजूद होते हैं।

नियमित सेवन से कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है और मस्तिष्क तेज रहता है।

दालें

मूंग, मसूर, राजमा, छोले जैसी दालें प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं।

प्रोटीन मसल्स के निर्माण और रिपेयर के लिए जरूरी है।

दालों में फाइबर और आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है।

दालें पाचन और रक्त स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

दही

दही पाचन सुधारने, प्रोबायोटिक्स और कैल्शियम देने के लिए जरूरी है।

ये हड्डियों को मजबूत रखते हैं, पेट की सेहत सुधारते हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

एसी सर्विस के नाम पर हो सकती है ठगी, ये 3 अच्छी आदतें करेंगी बचाव

अगर आप भी अपने एसी की सर्विस करवाने वाले हैं, तो आपको एसी की सर्विस के नाम पर होने वाली ठगी से बचने के तरीकों के बारे में जरूर पता होना चाहिए। जलती-चुभती गर्मी से बचने के लिए लोग पंखे-कूलर ही नहीं बल्कि, एसी का सहारा भी लेते हैं।

हालांकि, एसी चलाने पर पंखे-कूलर से अधिक बिजली का बिल आता है। पर ये कूलिंग काफी अच्छी करता है जिससे गर्मी से राहत मिलने में मदद मिलती है। गर्मी का मौसम आ चुका है और लोग अपने एसी की सर्विस भी करवा रहे हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एसी की सर्विस के नाम पर आपके साथ ठगी भी हो सकती है? शायद नहीं, इसलिए जरूरी हो जाता है कि आप कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें ताकि आपके साथ एसी सर्विसिंग के नाम पर ठगी न हो जाए। आप आगे इस बारे में जान सकते हैं।

एसी सर्विस ठगी से बचने के तरीके क्या हैं?

नंबर 1

अगर आपको एसी सर्विस ठगी से बचना है तो आपको हमेशा सर्टिफाइट टेक्नीशियन को ही बुलाना चाहिए

कई लोग सस्ते के चक्कर में किसी को भी बुला लेते हैं, जो आपको गैस डालने के नाम पर या अन्य तरीकों से ठग लेते हैं

जबकि, सर्टिफाइड या कंपनी की तरफ से आने वैले टेक्नीशियन से अगर कोई गड़बड़ होती है तो आप कंपनी में शिकायत कर सकते हैं

नंबर2

सबसे अधिक ठगी गैस डालने के नाम पर होती हुई नजर आती है

इसमें कई बैर टेक्नीशियन कस्टमर को ये बोल देता है कि गैस खत्म हो गई है जबकि, ऐसा होता नहीं है

इसलिए अगर मैकेनिक गैस रिफिल करने को कहे तो आपको बिना गैस प्रेशर मीटर से रीडिंग चेक किए हुए गैस नहीं भरवानी चाहिए

इससे आपको गैस का पता चलने में मदद मिलती है

नंबर 3

जब भी आप एसी की सर्विस करवा रहे हैं तो मैकेनिक पर ध्यान रखें

उसे अकेले में छोड़कर न जाएं, क्योंकि हो सकता है कि वो एसी का कोई पार्ट बदल दें।

महिलाओं में तेजी से बढ़ रही हैं ये दिक्कतें, देखें कहीं आप भी तो नहीं हैं शिकार

बदलती जीवनशैली की वजह से आज के समय में ज्यादातर महिलाएं-लड़कियां किसी न किसी दिक्कत से जूझ रही हैं। इन दिक्कतें कौन सी हैं, आइए जानते हैं। बदलती जीवनशैली, काम का बढ़ता दबाव और असंतुलित खानपान की वजह से आज के समय में ज्यादातर महिलाएं और लड़कियां स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न समस्याओं का सामना कर रही हैं। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना, शारीरिक गतिविधियों की कमी, तनाव और नींद की कमी जैसी आदतें उनके जीवन पर गहरा असर डाल रही हैं। इन सभी कारणों से उनकी जीवनशैली प्रभावित होती है और उनकी ऊर्जा, कामकाजी क्षमता और सामान्य स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। अगर समय रहते इन समस्याओं को समझा और सही तरीके से सुधारा जाए, तो स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाई जा सकती है। यहां इस लेख में हम आपको बताएंगे उन दिक्कतों के बारे में, जिनसे आजकल हर तीसरी महिला जूझ रही है।

हार्मोनल इंबैलेंस

हार्मोनल असंतुलन महिलाओं में बहुत आम समस्या बन गई है।

इसके कारण मासिक धर्म अनियमित हो सकता है।

पीरियड्स में अत्यधिक दर्द, रक्तस्राव की समस्या या मासिक धर्म का अचानक रुक जाना जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (ढउडर) या तनाव जैसी स्थिति भी होने लगती है।

इसके लक्षणों में अचानक वजन बढ़ना, त्वचा पर मुहांसे और बालों का झड़ना शामिल हैं।

थायरॉयड

थायरॉयड ग्रंथी की समस्याएं महिलाओं में तेजी से बढ़ रही हैं।

ये थकान, वजन बढ़ना या घटना, बाल झड़ना और त्वचा की सूखापन जैसी समस्याएं पैदा करती है।

थायरॉयड असंतुलन हार्मोनल इंबैलेंस को और गंभीर बना सकता है और शरीर की ऊर्जा स्तर को प्रभावित करता है।

मोटापा और वजन बढ़ना

आज की जीवनशैली में असंतुलित भोजन, अधिक जंक फूड का सेवन और शारीरिक गतिविधि की कमी से महिलाओं में मोटापा बढ़ रहा है।

मोटापा न केवल शरीर की रूपरेखा बदलता है, बल्कि हृदय रोग, डायबिटीज और जोड़ों की समस्या का खतरा भी बढ़ाता है।

कई बार ये दिक्कत पीसीओडी, पीसीओएस और थायरॉयड की वजह से भी होती है।

एनीमिया और पोषण की कमी

आयरन, विटामिन और मिनरल्स की कमी के कारण महिलाओं में एनीमिया आम है।

ये कमजोरी, थकान, चक्कर आना और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी समस्याएं पैदा करता है।

गर्भावस्था के दौरान यह और गंभीर हो सकता है।

हड्डियों और जोड़ों की कमजोरी

कैल्शियम और विटामिन ऊकी कमी साथ ही शारीरिक गतिविधि की कमी, महिलाओं में हड्डियों और जोड़ों की कमजोरी का कारण बनती है।

इससे ऑस्टियोपोरोसिस और जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जो उम्र बढ़ने के साथ गंभीर हो जाती हैं।

गर्भवती महिलाओं को नवरात्रि व्रत के समय रखना चाहिए इन चीजों का ध्यान

अगर आप गर्भवती हैं और नवरात्रि के व्रत रखने का सोच रही हैं तो कुछ चीजों का खास ध्यान रखें। ताकि आपका व्रत भी सफल हो और आपको कोई दिक्कत भी न हो। 19 मार्च से चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ हो रहा है, जिसे हिंदू धर्म में विशेष आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस दौरान कई लोग व्रत रखते हैं और देवी मां की पूजा करते हैं। लेकिन अगर आप गर्भवती हैं, तो व्रत रखने से पहले कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। हम आपको ऐसी सलाह इसलिए दे रहे हैं क्योंकि प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर को अतिरिक्त पोषण और ऊर्जा की जरूरत होती है, ऐसे में लंबे समय तक भूखा रहना या सही डाइट न लेना मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। पर, अगर आप सही तरीके से डॉक्टर की सलाह लेकर व्रत रखती हैं तो आपको किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं होगी। इसलिए जरूरी है कि आप अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और कुछ आसान लेकिन जरूरी सावधानियों को अपनाएं। यहां इसके लिए कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं।

डॉक्टर से सलाह जरूर लें

गर्भावस्था एक संवेदनशील अवस्था होती है, ऐसे में व्रत रखने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना बहुत जरूरी है।

डॉक्टर आपकी हेल्थ, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन लेवल और बच्चे की ग्रोथ को ध्यान में रखकर बताएंगे कि आपको व्रत रखना चाहिए या नहीं।

अगर आपकी प्रेग्नेंसी हाई-रिस्क है, तो डॉक्टर व्रत न रखने की सलाह भी दे सकते हैं।

लंबे समय तक भूखे न रहें

व्रत के दौरान हर 2-3 घंटे में कुछ हल्का जरूर खाएं, जैसे फल, दूध, दही या ड्राई फ्रूट्स।

ऐसा इसलिए क्योंकि प्रेग्नेंसी में लंबे समय तक खाली पेट रहना सही नहीं होता, क्योंकि इससे ब्लड शुगर लेवल गिर सकता है।

इससे चक्कर आना, कमजोरी और बेचैनी हो सकती है।

बीच-बीच में हल्का खाना खाने से शरीर को लगातार ऊर्जा मिलती रहेगी और आप खुद को एक्टिव महसूस करेंगी।

हाइड्रेशन का खास ध्यान रखें

गर्भावस्था में पानी की कमी होना मां और बच्चे दोनों के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

व्रत के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है।

बीच-बीच में नारियल पानी, ताजा जूस, छाछ या नींबू पानी भी ले सकती हैं।

हाइड्रेटेड रहने से शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और चक्कर या थकान जैसी समस्याएं कम होती हैं।

गर्भवती महिलाओं को नवरात्रि व्रत के समय रखना चाहिए इन चीजों का ध्यान - फोटो : अड्डी

संतुलित फलाहार लें

अक्सर लोग व्रत में सिर्फ आलू या तली-भुनी चीजें खाते हैं, जो प्रेग्नेंसी में सही नहीं है।

आपको ऐसा फलाहार लेना चाहिए जिसमें पोषण भरपूर हो।

केला, सेब, दही, मखाना, साबूदाना खिचड़ी, और सिंघाड़े के आटे का चीला आप खा सकती हैं।

इससे शरीर को काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन और विटामिन्स मिलते हैं, जो बच्चे की ग्रोथ के लिए जरूरी हैं।

ज्यादा थकान से बचें

प्रेग्नेंसी में वैसे भी शरीर जल्दी थक जाता है, इसलिए पर्याप्त आराम करना जरूरी है।

कोशिश करें कि भारी काम न करें और बीच-बीच में आराम लेते रहें।

9 दिन का व्रत रखने से पहले ध्यान रखें ये 5 बातें, सेहत रहेगी ठीक और ऊर्जा बनी रहेगी

नवरात्रि का पर्व हिंदू धर्म में बहुत खास माना जाता है। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में लोग लगातार 9 दिन व्रत रखते हैं और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करते हैं। हालांकि, लगातार 9 दिन उपवास रखना आसान नहीं होता। कई बार लोग अपनी सेहत का ध्यान न रख पाने की वजह से बीमार पड़ जाते हैं या कमजोरी महसूस करते हैं। इसीलिए व्रत शुरू करने से पहले कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

पर्याप्त पानी और तरल पदार्थ लें

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की डाइटिशियन कामिनी सिन्हा बताती हैं कि व्रत के दौरान लोग पानी कम पीते हैं। इससे डिहाइड्रेशन, सिरदर्द

और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। व्रत में केवल पानी ही नहीं, बल्कि नारियल पानी, ताजा फलों का जूस, नींबू पानी और छाछ का सेवन करते रहें। थोड़े-थोड़े अंतराल पर पानी या तरल पदार्थ पीते रहें ताकि शरीर में एनर्जी बनी रहे और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन भी बना रहे।

हल्का और पौष्टिक भोजन करें

कई लोग व्रत के दौरान सिर्फ पानी पीते हैं या कुट्टू की पूड़ियां, साबूदाना वड़ा और आलू के चिप्स जैसे भारी और तले-भुने खाने का सेवन करते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। व्रत में हल्का और पचने में आसान भोजन करना चाहिए। जैसे , कुट्टू का आटा, सिंघाड़ा या समा के चावल , मखाना, मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स फल, उबले आलू, दही और पनीर इन चीजों से शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा मिलती है और मेटाबॉलिज्म सही रहता है।

तेल और मसाले वाले भोजन से बचें

व्रत के दौरान ज्यादा तेल या घी वाला खाना एसिडिटी, सीने में जलन और वजन बढ़ने का कारण बन सकता है। सेंधा नमक सीमित मात्रा में ही उपयोग करें। हल्का और संतुलित भोजन से ब्लड प्रेशर और पाचन तंत्र सही रहेंगे।

पर्याप्त आराम और नींद लें

व्रत के दौरान शरीर अपनी स्टोर की गई ऊर्जा का उपयोग करता है, इसलिए सामान्य दिनों की तुलना में अधिक थकान महसूस हो सकती है। इस दौरान भारी व्यायाम या थकाने वाले कामों से बचें। रोज कम से कम 7द्8 घंटे की गहरी नींद लें। नींद की कमी से तनाव हार्मोन बढ़ता है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

व्रत खोलते समय धीरे-धीरे भोजन करें

9 दिन का व्रत पूरा होने के बाद तुरंत भारी भोजन (जैसे पूड़ी-छोले) करने से बचें। व्रत खोलने की शुरूआत हल्के सूप, जूस या फलों से करें और धीरे-धीरे ठोस भोजन पर आएं। इससे पाचन तंत्र पर अचानक बोझ नहीं पड़ेगा और तबीयत बिगड़ने का डर कम होगा।

खास सलाह

गर्भवती महिलाएं, डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोग 9 दिन का व्रत शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। व्रत के दौरान संतुलित तरल पदार्थ और पौष्टिक आहार लेने से शरीर एनर्जी से भरपूर रहेगा और सेहत भी ठीक रहेगी।

शराब पीने के बाद लोग अपना सेंस क्यों खो देते हैं? ब्रेन पर इसका क्या असर होता है

अधिक शराब पीने के बाद कई लोग अपना संतुलन और समझदारी खो देते हैं। वे ठीक से चल नहीं पाते, बड़बड़ाने लगते हैं और अपने शरीर का पूरा नियंत्रण खो बैठते हैं। यह केवल उनका व्यवहार नहीं बदलता, बल्कि शरीर और दिमाग पर गहरा असर डालता है। आइए आसान भाषा

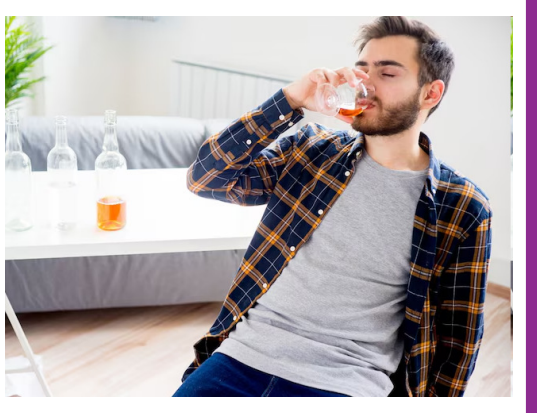

में समझें कि शराब ब्रेन और पूरे शरीर पर कैसे असर करती है।

शराब ब्रेन के कम्युनिकेशन सिस्टम को कैसे प्रभावित करती है

यूएस के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन अल्कोहल एब्यूज एंड अल्कोहॉलिज्म की रिपोर्ट के अनुसार, अल्कोहल सीधे ब्रेन के कम्युनिकेशन पाथवे में हस्तक्षेप करता है। जब शराब खून के जरिए दिमाग तक पहुँचती है, तो यह न्यूरॉन्स (संदेश भेजने वाली कोशिकाओं) के बीच संवाद को धीमा कर देती है। इस वजह से व्यक्ति स्पष्ट रूप से सोच नहीं पाता। शारीरिक गतिविधियों का तालमेल बिगड़ जाता है। मूड और व्यवहार में अचानक बदलाव आते हैं। यानी शराब पीने के बाद व्यक्ति का दिमाग और शरीर दोनों असंतुलित हो जाते हैं।

पेरिफेरल नर्वस सिस्टम पर शराब का असर

शराब का प्रभाव केवल दिमाग तक सीमित नहीं है। यह पेरिफेरल नर्वस सिस्टम को भी प्रभावित करती है। लगातार ज्यादा मात्रा में शराब पीने से पेरिफेरल न्यूरोपैथी जैसी स्थिति बन सकती है। इसके लक्षण हैंरू हाथ और पैरों में सुन्नता या जलन महसूस होना।नसों का कमजोर होना, जिससे शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है। अचानक खड़े होने पर ब्लड प्रेशर गिरना। इस वजह से लोग शराब पीने के बाद लड़खड़ाने लगते हैं और अपने परिवेश का सही सेंस खो बैठते हैं।

शराब और हार्मोनल सिस्टम का असर

शराब शरीर के एंडोक्राइन सिस्टम को भी नुकसान पहुँचाती है। यह हार्मोन्स को प्रभावित करती है जो शरीर की स्थिरता और स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके परिणामस्वरूपः थायराइड के रोग असामान्य कोलेस्ट्रॉल लेवल तनाव झेलने की क्षमता में कमी हो सकती है। शराब का लंबे समय तक असर लगातार शराब पीने से ब्रेन और नसों को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है। सोचने-समझने की क्षमता कम हो जाती है। शरीर का प्राकृतिक विकास धीमा पड़ सकता है, खासकर युवाओं में प्यूबर्टी की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

पर्यटन विभाग का अल्पज्ञात धार्मिक स्थलों पर फोकस

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और अल्पज्ञात धार्मिक स्थलों को नई पहचान दिलाने के तहत लोदीपुर धाम के विकास को नई गति मिली है। मुरादाबाद स्थित ऐतिहासिक श्री जम्भेश्वर मंदिर यानि लोदीपुर धाम का कायाकल्प होगा, मंदिर में पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण पर 1.67 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस योजना के तहत मंदिर परिसर में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था मिल सकेगी और यह स्थल एक प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में उभरेगा। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, ह्लोदीपुर धाम स्थित श्री जम्भेश्वर मंदिर का विकास हमारी उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके तहत हम उत्तर प्रदेश के आध्यात्मिक और अल्पज्ञात स्थलों को नई पहचान दे रहे हैं। परियोजना के अंतर्गत सत्संग भवन, यज्ञशाला, विश्राम गृह, रसोई, आधुनिक शौचालय, प्रवेश द्वार और ढका हुआ परिक्रमा मार्ग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे श्रद्धालुओं को बेहतर और सुविधाजनक अनुभव मिलेगा। बिश्नोई समाज की समृद्ध विरासत का संरक्षण भी होगा।

चोट ने बढ़ाई मुश्किलें! ये छह स्टार अब भी रिहैब में किन फ्रेंचाइजियों को होगा सबसे ज्यादा नुकसान?

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में चार फ्रेंचाइजी ऐसी हैं, जिनके अहम खिलाड़ी चोट से जूझ रहे हैं। उनका लीग के पहले हाफ में खेलना मुश्किल माना जा रहा है। इनकी वापसी कब होगी, इसको लेकर भी कोई तारीख तय नहीं है। आईपीएल 2026 का 28 मार्च से आगाज होने वाला है। लीग का यह 19वां सत्र होगा। टी20 विश्वकप 2026 के बाद अब फैंस को फटाफट क्रिकेट का नया रोमांच मिलेगा। पिछले सीजन में 200+ के कई स्कोर बने थे। ऐसे में इस बार 300 बनने की उम्मीद भी की जा रही है। हालांकि, इसमें सबसे बड़ा रोड़ा खिलाड़ियों की चोट है। लीग शुरू होने में अब 10 दिन बचे हैं, लेकिन कुछ बड़े खिलाड़ी अब भी रिहैब में हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि ये खिलाड़ी आईपीएल का ज्यादातर हिस्सा चोट की वजह से मिस कर सकते हैं। इन खिलाड़ियों के नहीं होने से चार टीमों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइटराइडर्स के तो दो-दो अहम गेंदबाज चोटिल हैं। आइए जानते हैं कि वे छह खिलाड़ी कौन से हैं... 1. हर्षित राणा आईपीएल 2026 के आगाज का काउंटडाउन शुरू हो गया है। हालांकि, इससे पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा घुटने की सर्जरी के कारण टूर्नामेंट के बड़े हिस्से से बाहर रह सकते हैं। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के मुताबिक, राणा ने फरवरी में घुटने की सर्जरी कराई थी और फिलहाल वह रिहैब की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी

फिटनेस पर नजर रखे हुए है, लेकिन अभी तक उनकी वापसी की कोई तय तारीख सामने नहीं आई है। अगर वह पूरे टूर्नामेंट से बाहर रहते हैं, तो यह लगातार दूसरा बड़ा टूर्नामेंट होगा जिसे वह चोट के कारण नहीं खेल पाएंगे। हर्षित राणा को यह चोट भारत के टी20 विश्वकप के वॉर्म-अप मैच के दौरान लगी थी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए उस अभ्यास मुकाबले में उन्होंने सिर्फ एक ओवर फेंका था, जिसके बाद उन्हें घुटने में परेशानी महसूस हुई। जांच में उनके दाहिने घुटने के लिगामेंट में खिंचाव पाया गया, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। केकेआर ने हर्षित को चार करोड़ रुपये में रिटेन किया था। 2. पैट कमिंस सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस फिलहाल पीठ की चोट से जूझ रहे हैं और इसी कारण वह आईपीएल 2026 के पहले हाफ से बाहर रह सकते हैं। ऐसे में सनराइजर्स के लिए परेशानियों बढ़ गई हैं। टीम को ये विचार करना है कि कमिंस की गैरमौजूदगी में टीम की कमान कौन संभालेगा। कमिंस की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है। 2024 में ये टीम फाइनल में पहुंची थी, लेकिन 2026 में छठे स्थान पर रही। कमिंस ने दिसंबर 2025 में एडिलेड में खेले गए तीसरे एशेज टेस्ट के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। वेस्टइंडीज दौरे के बाद उन्हें पीठ के निचले हिस्से में लम्बर बोन स्ट्रेस इंजरी हो गई थी, जिसके चलते उन्हें लंबे समय तक मैदान से दूर रहना पड़ा। इसी चोट के कारण वह एशेज सीरीज के बाकी मुकाबलों और आईसीसी टी20 विश्व कप से भी बाहर हो गए थे। उनकी वापसी की तारीख अभी तय नहीं है। कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद ने 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। 3. जोश हेजलवुड गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बिना अपने अभियान की शुरूआत करने के लिए तैयार नजर आ रही है। हेजलवुड फिलहाल चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं। इस चोट की वजह से वह पूरी एशेज सीरीज और टी20 विश्व कप से बाहर रहे। आरसीबी के स्टार गेंदबाज को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। जब वह ठीक हुए, तब उनकी एड़ी में तकलीफ शुरू हो गई। अभी की जानकारी के मुताबिक, आईपीएल 2026 में वह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए शुरूआती दो मैच नहीं खेल सकेंगे। ऑस्ट्रेलिया अगस्त से करीब 16 महीनों के एक व्यस्त कार्यक्रम की शुरूआत करने जा रहा है, जिससे पहले कमिंस और हेजलवुड को पूरी तरह से फिट होना होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मेडिकल स्टाफ ने पिछले कुछ महीनों से इन दोनों मुख्य खिलाड़ियों पर बारीकी से नजर बनाए रखी है। हेजलवुड को आरसीबी ने 12.5 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। 4. मथीशा पथिराना पिछले कुछ सीजन तक चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने के बाद अब श्रीलंका के स्टार तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते नजर आएंगे। उन्हें पिछले ऑक्शन में केकेआर ने 18 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। हालांकि, पथिराना का भी पहले हाफ में खेलना मुश्किल है। वह काफ इंजरी और बाएं पैर की मांसपेशियों में चोट से परेशान हैं। टी20 विश्वकप में उन्हें चोट लगी थी और वह रिप्लेस हुए थे। पथिराना की वापसी की तारीफ अभी तय नहीं है। 5. वानिंदु हसरंगा वानिंदु हसरंगा आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए शुरूआती मैच मिस कर सकते हैं। उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट है, जिसके चलते वह टी20 वर्ल्ड कप 2026 से भी बाहर हो गए थे। लखनऊ ने उन्हें मिनी ऑक्शन में दो करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन उनकी फिटनेस टीम के लिए चिंता बनी हुई है। 6. ईशान मलिंगा ईशान मलिंगा कंधे के डिसलोकेशन के कारण आईपीएल 2026 की शुरूआत में उपलब्ध नहीं रह सकते। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए यह बड़ा झटका हो सकता है, क्योंकि फ्रेंचाइजी ने उन्हें 1.2 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। साथ ही कमिंस की गैरमौजूदगी में ईशान पर जिम्मेदारी होती, लेकिन उनके भी नहीं रहने से सनराइजर्स की गेंदबाजी थोड़ी कमजोर दिख रही है। ईशान की रिकवरी पर अब सभी की नजरें टिकी हैं।

विराट कोहली बंगलूरू पहुंचे क्या आरसीबी को लगातार दूसरी बार खिताब दिला पाएंगे?

बंगलूरू। आरसीबी आईपीएल 2026 में चैंपियन के रूप में उतरेगी। टीम का मुख्य लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना होगा। आरसीबी ने आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली आईपीएल 2026 के लिए टीम से जुड़ गए हैं। कोहली बुधवार सुबह बंगलूरू पहुंचे। टीम मैनेजमेंट, खिलाड़ियों और फैंस को कोहली का बेसब्री से इंतजार था। बंगलूरू पहुंचने से पहले कोहली लंदन में ही अभ्यास कर रहे थे। कोहली ने अपने अभ्यास की एक तस्वीर भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डाली थी जिसे आरसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म पर शेयर किया था। कोहली के टीम से जुड़ने के बाद अभ्यास सत्र में जोश और तेजी आएगी। आरसीबी आईपीएल 2026 में चैंपियन के रूप में उतरेगी। टीम का मुख्य लक्ष्य अपने खिताब का बचाव करना होगा। आरसीबी ने आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। आरसीबी को चैंपियन बनाने में विराट कोहली का अहम योगदान रहा था। फ्रेंचाइजी के लिए पारी की शुरूआत करने वाले विराट कोहली ने पिछले सीजन में 15 मैचों में 54.75 की औसत और 144.71 की स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से आठ अर्धशतक निकले थे। कोहली ने 66 चौके और 19 छक्के भी लगाए थे। आरसीबी को अगर आईपीएल 2026 में अपने खिताब की रक्षा करनी है, तो इसमें विराट कोहली की भूमिका अहम होने वाली है। टीम प्रबंधन शीर्ष क्रम में एक बार फिर उनसे निरंतर बेहतर और प्रभावी प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। हालांकि, विराट कोहली आरसीबी के साथ पहले सीजन से जुड़े हुए हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता रहती है। लगभग हर साल वह टीम की तरफ से शीर्ष स्कोरर रहते हैं। कोहली लीग के इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाज हैं। उनके नाम सर्वाधिक रन और शतक का रिकॉर्ड है। कोहली ने 267 मैचों में आठ शतक और 63 अर्धशतक लगाते हुए 8,661 रन बनाए हैं। विराट 2013 से 2021 तक आरसीबी के कप्तान भी रहे हैं। कोहली की कप्तानी में आरसीबी 2016 का फाइनल खेली थी, लेकिन खिताब जीतने में सफल नहीं रही थी।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड मुश्किल में? नई सरकार टी20 विश्व कप से बाहर रहने के फैसले की जांच करेगी

ढाका। बीसीबी ने हाल ही में मंत्रालय से पिछली जांच बंद करने की अपील की थी, लेकिन इसके ठीक अगले दिन नई जांच की घोषणा ने बोर्ड और सरकार के बीच बढ़ते तनाव को उजागर कर दिया है। टी20 विश्व कप 2026 से बाहर होने का बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का फैसला उसके गले की फांस बनते जा रहा है। बांग्लादेश की नई सरकार ने इस मामले की जांच शुरू करने का फैसला लिया है। खेल मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि बीसीबी पर कोई भी फैसला लेने से पहले वह आईसीसी से सलाह लेंगे। अमीनुल ने

कहा है कि ईद के बाद एक नई जांच कमेटी गठित की जाएगी। यह कमेटी इस बात की पड़ताल करेगी कि क्या भारत और श्रीलंका में आयोजित इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी में विफलता का नतीजा था। बांग्लादेश के खेल मंत्रालय ने 11 मार्च को बीसीबी चुनावों में गड़बड़ियों, हेरफेर और पावर के गलत इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी बनाई थी। खेल मंत्री ने कहा था कि जांच कमेटी यह भी तय करेगी कि स्पोर्ट्स डिप्लोमेसी में कमी क्यों आई और भविष्य में गलती न दोहराई जाए। बीसीबी ने सरकार की इस कार्रवाई को दखलअंदाजी बताया था। अमीनुल हक ने कहा है कि जांच के लिए गठित पांच सदस्यीय कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद वह इस मामले पर आईसीसी से बात करेंगे। उन्होंने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि पिछले साल बीसीबी चुनावों में हमारी पिछली सरकार ने सीधे दखलअंदाजी की थी। मैंने इस बारे में कई बार बात की है। ढाका क्लब और जिलों के आरोपों के बाद, हमने एक जांच कमिटी बनाई है। मैं रिपोर्ट पढ़ने और आईसीसी से बात करने के बाद ही कोई निर्णय लूंगा।' जब बीसीबी चुनाव हुए थे, तब तमीम इकबाल और ढाका क्लब के अधिकारियों पर चुनाव इंजीनियरिंग के आरोप लगे थे। चुनाव से पहले बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम पर भी दखलंदाजी के आरोप थे। तमीम ने चुनावों से अपनी उम्मीदवारी 1 अक्टूबर को वापस ले ली, जबकि अमीनुल ने 5 अक्टूबर को इन आरोपों से इनकार किया। खेल मंत्री ने कहा कि जांच कमिटी बीसीबी इलेक्शन कमिश्नर, बोर्ड अधिकारी और जिला प्रशासक से बात करेगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पत्र भेजने के बाद नॉमिनेशन बदले गए।

राहुल-ईशानी से शास्त्री-रितु तक इन 11 भारतीय क्रिकेटर्स का हो चुका तलाक

नई दिल्ली। राहुल चाहर और ईशानी के तलाक के साथ भारतीय क्रिकेटर्स की उस सूची में एक और नाम जुड़ गया है, जिनकी शादी टूट चुकी है। चहल, पांड्या, धवन और शास्त्री जैसे कई बड़े नाम इस सूची में शामिल हैं, जो दिखाता है कि क्रिकेटर्स की निजी जिंदगी भी संघर्षों से भरी होती है। भारत में क्रिकेट सिर्फ

खेल नहीं, बल्कि एक जुनून है। ऐसे में फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की निजी जिंदगी में भी दिलचस्पी रखते हैं। खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से करोड़ों दिलों को जोड़ते हैं, लेकिन उनकी निजी जिंदगी अक्सर उतनी आसान नहीं होती। गातार यात्रा, मानसिक दबाव, मीडिया की निगरानी और पब्लिक लाइफ, ये सभी चीजें रिश्तों को प्रभावित करती हैं। हाल ही में स्पिनर राहुल चाहर और ईशानी के तलाक ने एक बार फिर यह दिखाया कि क्रिकेटर्स की जिंदगी भी उतनी ही मुश्किल होती है जितनी आम लोगों की। इस घटनाक्रम के साथ भारतीय क्रिकेटर्स की उस लंबी सूची में एक और नाम जुड़ गया है, जिनकी शादी का अंत तलाक में हुआ। 1. राहुल चाहर और ईशानीः ताजा मामला राहुल चाहर ने 2022 में ईशानी जौहर से शादी की थी। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जाती थी, लेकिन फरवरी 2026 में उन्होंने अलग होने का फैसला कर लिया। यह हालिया तलाक क्रिकेट जगत में चर्चा का बड़ा विषय बना हुआ है। 2. युजवेंद्र चहल और धनश्रीः चार साल में टूटा रिश्ता युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा की शादी 2020 में हुई थी। सोशल मीडिया पर दोनों की केमिस्ट्री काफी लोकप्रिय थी, लेकिन समय के साथ रिश्ते में दूरी आ गई। मार्च 2025 में दोनों ने आधिकारिक तौर पर तलाक ले लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चहल ने 4.75 करोड़ रुपये की एलिमनी दी। 3. हार्दिक पांड्या और नताशाः चर्चित अलगाव हार्दिक पांड्या और नताशा स्टैनकोविक की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं थी। 2020 में शुरू हुआ रिश्ता शादी तक पहुंचा, लेकिन 2024 में दोनों ने अलग होने का फैसला किया। उनके बेटे अगस्त्य के कारण यह अलगाव और भी भावनात्मक रहा। 4. शिखर धवन और आयशाः कोर्ट तक पहुंचा मामला शिखर धवन और आयशा मुखर्जी की शादी 2012 में हुई थी। 2021 में अलगाव के बाद 2023 में दिल्ली कोर्ट ने तलाक को मंजूरी दी। कोर्ट ने मानसिक उत्पीड़न को इसका कारण माना। दोनों का एक बेटा भी है, जिसका नाम जोरावर है, लेकिन आयशा ने जोरावर को धवन से कभी मिलने तक नहीं दिया। अब धवन ने सोफी शाइन से दूसरी शादी कर ली है। 5. दिनेश कार्तिकः विवादों के बीच टूटी पहली शादी दिनेश कार्तिक की पहली शादी निकिता वंजारा से हुई थी। यह रिश्ता विवादों के कारण टूटा, जब निकिता का नाम मुरली विजय से जुड़ा। बाद में दिनेश ने निकिता को तलाक दिया और फिर निकिता ने मुरली से शादी कर ली। फिर दिनेश कार्तिक ने भी स्क्वॉश की दिग्गज एथलीट दीपिका पल्लीकल से दूसरी शादी कर नई शुरूआत की। 6. मोहम्मद अजहरुद्दीनः दो शादियां, दोनों का अंत भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 1987 में नौरिन से शादी की थी, जिनसे उनके दो बेटे, मोहम्मद असदुद्दीन और मोहम्मद अयाजुद्दीन हैं। लेकिन एक दशक से ज्यादा समय बाद 1996 में दोनों का रिश्ता खत्म हो गया। इसके बाद अजहरुद्दीन ने बॉलीवुड अभिनेत्री संगीता बिजलानी से शादी की, जिसने उस समय काफी सुर्खियां बटोरीं। हालांकि, यह रिश्ता भी ज्यादा समय तक नहीं टिक सका और 2010 में दोनों का तलाक हो गया। 7. रवि शास्त्रीः 22 साल बाद अलगाव पूर्व भारतीय क्रिकेटर और टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने 2012 में अपनी पत्नी रितु सिंह से अलग होने का फैसला किया।

काबुल एयरस्ट्राइक पर फूटा क्रिकेटर अल्लाह गजनफर का गुस्सा

मुंबई। काबुल में अस्पताल पर हुए घातक हमले के बाद अफगान क्रिकेटर अल्लाह गजनफर ने पाकिस्तान की आलोचना की और भारत समेत अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद की अपील की। उन्होंने आम नागरिकों को निशाना बनाए जाने को अस्वीकार्य बताया और शांति व सहयोग पर जोर दिया। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में भारी तबाही मची है। पाकिस्तानी सेना की कायराना हरकत से काबुल में कई बेगुनाहों की जान चली गई है। पाकिस्तान ने काबुल के एक अस्पताल पर एयरस्ट्राइक किया और रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हमले में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जबकि 250 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। पाकिस्तान की इस कायराना हरकत से अफगानिस्तान के क्रिकेटर्स भी नाखुश हैं। राशिद खान, मोहम्मद नबी के बाद अब अफगानिस्तान के युवा स्पिनर अल्लाह गजनफर ने इस घटना पर गहरा दुख और गुस्सा जताया। उन्होंने आम लोगों को निशाना बनाए जाने की कड़ी निंदा की है। अफगान सरकार के डिप्टी प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने बताया कि पाकिस्तानी सेना का हवाई हमला एक ड्रग रिहैबिलिटेशन अस्पताल पर हुआ, जिसमें लगभग 2000 बेड की सुविधा थी। इस हमले में अस्पताल का बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया। हालांकि, पाकिस्तान ने इन आरोपों से इनकार किया है। गजनफर का छलका दर्द अब इस मामले पर गजनफर ने कहा, 'वहां के लोगों के पास इलाज के लिए पैसे नहीं होते और अब उन्होंने उसी जगह को निशाना बना दिया। उन्होंने उन लोगों को शहीद कर दिया, यह अफगानिस्तान के लोगों को स्वीकार नहीं है।' गजनफर ने हमले के पीछे की मंशा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि पाकिस्तान वाले क्या साबित करना चाहते हैं। वे आकर आम लोगों को निशाना बनाते हैं, और हम इसे बिल्कुल स्वीकार नहीं कर सकते।

पाकिस्तानी टी20 लीग का क्यों उड़ रहा मजाक?

कराची। पीएसएल 2026 में नई टीम हैदराबाद किंग्समेन ने केवल एक टी20 इंटरनेशनल खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को कप्तान बनाया है। इस फैसले के बाद लीग का सोशल मीडिया पर मजाक उड़ रहा है और फैंस चयन पर सवाल उठा रहे हैं। पाकिस्तान अपनी किरकिरी करवाने का कोई मौका नहीं छोड़ता है। इस बार भी कुछ ऐसा हुआ है। 26 मार्च से शुरू हो रहे पाकिस्तानी सुपर लीग (पीएसएल) से पहले उसकी एक टीम ने ऐसा फैसला लिया है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। पीएसएल में मार्नस लाबुशेन को हैदराबाद किंग्समेन फ्रेंचाइजी का कप्तान नियुक्त किया गया है। लाबुशेन इस साल पीएसएल टीम के कप्तान बनने वाले तीसरे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। उनसे पहले कराची किंग्स ने डेविड वॉर्नर और मुल्तान सुल्तांस ने एश्टन टर्नर को अपना कप्तान बनाया था। लाबुशेन टी20 सर्किट में नियमित खिलाड़ी नहीं हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर से सिर्फ एक ही टी20 मैच खेला है। लाबुशेन मुख्य रूप से टॉप-ऑर्डर के बल्लेबाज हैं, लेकिन ऑफ स्पिन या मीडियम पेस गेंदबाजी भी कर सकते हैं। उन्होंने 59 टी20 मुकाबलों में 40 विकेट निकाले हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की वनडे और टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। हालांकि, खराब फॉर्म के चलते हाल ही में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर भी किया था। ऐसे में एक टेस्ट बल्लेबाज को कप्तान बनाकर पीएसएल की फ्रेंचाइजी ने खुद की किरकिरी करवाई है। लाबुशेन ने बिग बैश लीग में 31 मुकाबले खेले, जिसमें 22.96 की औसत के साथ 643 रन बनाने के साथ 13 विकेट हासिल किए। वहीं, वाइटैलिटी ब्लास्ट में 27 मुकाबले खेलते हुए 32 की औसत के साथ 736 रन बनाए। इस लीग में उन्होंने 27 विकेट भी निकाले हैं। ओवरऑल 59 टी20 में लाबुशेन ने 26.55 की औसत और 126.81 के स्ट्राइक रेट से 1381 रन बनाए हैं। इनमें आठ अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा 40 विकेट भी लिए हैं। उनका इकोनॉमी रेट 8.74 का रहा है और 11 रन देकर पांच विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। लाबुशेन को कभी आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिला है। मैक्सवेल-परेरा पर मिली तरजीह हैदराबाद किंग्समेन पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल होने वाली दो नई टीमों में से एक है। किंग्समेन की टीम में कप्तानी के अनुभव वाले खिलाड़ियों की कमी थी, इसलिए कप्तान के तौर पर किसी एक खिलाड़ी का नाम सबसे आगे नहीं था।

टीम इंडिया के कप्तान कैसे बने सूर्यकुमार? बताया- किन चार लोगों ने सुझाया था उनका नाम

मुंबइ। सूर्यकुमार यादव ने खुलासा किया कि उन्हें टी20 कप्तान बनाने में जय शाह, अजित आगरकर, राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा की अहम भूमिका थी। शानदार रिकॉर्ड के साथ वह भारत के सफल कप्तानों में शामिल हो चुके हैं और जल्द ही रोहित शर्मा का रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। भारतीय टीम के स्टार

बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया। वह एमएस धोनी और रोहित शर्मा के बाद टी20 विश्व कप जीतने वाले भारत के तीसरे कप्तान बन गए हैं। हालांकि, उनकी कप्तानी की नियुक्ति ने सभी को चौंका दिया था, क्योंकि वह रोहित शर्मा की कप्तानी में उपकप्तान भी नहीं थे। रोहित के टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास के बाद हार्दिक पांड्या का नाम रेस में सबसे आगे थे, लेकिन बीसीसीआई ने चौंकाते हुए सूर्यकुमार को जिम्मेदारी सौंपी। ऐसे में यह सवाल उठ रहा था कि आखिर उन्हें यह जिम्मेदारी कैसे मिली। गौतम गंभीर नहीं, इन चार लोगों का था हाथ कई लोगों का मानना था कि मुख्य कोच गौतम गंभीर की वजह से सूर्यकुमार को कप्तानी मिली, लेकिन अब खुद सूर्यकुमार ने इस पर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि जय शाह, अजीत अगरकर, राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा ने मिलकर उन्हें कप्तान बनाने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'एक समय ऐसा था जब जय भाई ने श्रीलंका सीरीज से तीन-चार दिन पहले मुझे फोन किया और बताया कि आगे मुझे टी20 टीम का कप्तान बनाया जा रहा है।' कैसे हुआ फैसला? सूर्यकुमार ने बताया पूरा प्रोसेस सूर्यकुमार ने आगे बताया कि यह फैसला पहले से ही योजना के तहत लिया गया था। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा यकीन था कि यह सब रोहित भाई और अजित भाई प्लान कर रहे थे। गौतम भाई बाद में आए। राहुल सर और बाकी लोगों ने जय भाई के साथ मिलकर चर्चा की और फिर तय किया कि मुझे टीम की कमान दी जाए।' इस बयान से साफ हो गया कि कप्तानी का फैसला टीम मैनेजमेंट और बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों के सामूहिक विचार-विमर्श के बाद लिया गया था। कप्तान के तौर पर शानदार रिकॉर्ड सूर्यकुमार यादव का कप्तानी रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है। उन्होंने अब तक 52 टी20 मैचों में टीम की अगुआई की है, जिसमें से 42 मैचों में जीत हासिल की है। उनका जीत प्रतिशत 80 प्रतिशत से ज्यादा है, जो किसी भी कप्तान के लिए बेहद प्रभावशाली माना जाता है। इतना ही नहीं, स्थायी कप्तान बनने के बाद उन्होंने एक भी द्विपक्षीय टी20 सीरीज नहीं हारी है। यह उनके नेतृत्व कौशल को दर्शाता है। रोहित शर्मा के रिकॉर्ड के करीब 35 साल के सूर्यकुमार अब भारत के सबसे सफल टी20 कप्तानों की सूची में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। वह रोहित शर्मा के रिकॉर्ड से सिर्फ आठ जीत दूर हैं।

पंजाब किंग्स के स्क्वॉड में देरी से क्यों जुड़ेंगे मार्को यानसेन, कोच पोंटिंग ने दे दी मंजूरी

लखनऊ। पंजाब किंग्स के स्टार ऑलराउंडर मार्को यानसेन 26 मार्च को टीम से जुड़ सकते हैं। इसके लिए टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने मंजूरी दे दी है। आईपीएल 2026 की शुरूआत 28 मार्च से होनी है। पिछले संस्करण की फाइनलिस्ट पंजाब किंग्स ने भी आगामी सत्र के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। टीम के स्टार ऑलराउंडर मार्को यानसेन देरी से जुड़ेंगे। इसके लिए कोच रिकी पोंटिंग ने मंजूरी भी दे दी है। दरअसल, दक्षिण अफ्रीका के यानसेन उन खिलाड़ियों के आखिरी समूह में शामिल थे जो टी20 विश्व कप के बाद 'लॉजिस्टिक्स' से जुड़ी दिक्कतों

के कारण भारत से देर से रवाना हुए थे। क्यों भारत में ही फंसे रह गए थे खिलाड़ी? दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाड़ी विश्व कप में अपना सफर खत्म होने के बाद एक हफ्ते से अधिक समय तक भारत में ही फंसे रहे थे। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरन सैमी और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर सहित कुछ खिलाड़ियों ने भारत से रवाना होने में हुई देरी पर नाराजगी भी जाहिर की थी। यह देरी पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण दुबई और अबु धाबी जैसे बड़े हवाई अड्डों पर सीमित उड़ानों की वजह से हुई थी। कब टीम से जुड़ेंगे यानसेन? पंजाब किंग्स टीम के अहम सदस्य यानसेन 26 मार्च को टीम के साथ जुड़ेंगे। पोंटिंग और अधिकतर विदेशी खिलाड़ी 21 मार्च को टीम के साथ जुड़ने वाले हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई 23 मार्च को काबुल से टीम के साथ जुड़ेंगे। उनका देश इस समय पाकिस्तान के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। पिछले प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी पंजाब की टीम पंजाब किंग्स के साथ अपने पहले ही साल में पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर की जोड़ी ने पिछले सत्र में टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। यह 2014 के बाद टीम का पहला फाइनल था।

बंद घरो में चोरी करने वाले गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में पुलिस ने चोरी की कई वारदातों का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को संरक्षण में लिया गया है। आरोपियों के पास से करीब 31 ग्राम सोने और 2 किलो चांदी बरामद हुई है। गोमती नगर एसीपी ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शहीद पथ अंडरपास के पास विनीतखण्ड सब्जी मंडी के नजदीक कुछ अज्ञात युवक खड़े है। दबिश देकर आरोपी को पकड़ा गया। जांच के दौरान सामने आया कि ये आरोपी गोमतीनगर ही नहीं, बल्कि विभूतिखंड समेत शहर के कई इलाकों में चोरी की घटना को अंजाम दे चुके हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथी के साथ रात में पॉश कॉलोनियों में घूमते थे। जिन घरों में ताला लगा मिलता, उनमें गेट फांदकर घुस जाते और जेवर व कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाते। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने की चेन, अंगूठी, झुमके, कंगन और लॉकेट सहित कई सामान बरामद किए हैं। इसके अलावा करीब 2 किलो चांदी के बर्तन, पायल, सिक्के भी मिले है। साथ ही 2900 रुपए नकद भी बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपी संतोष कश्यप उर्फ राहुल कश्यप (19) बाराबंकी का रहने वाला है

राधिका मदान ने इरफान खान को किया याद

बोलीं- 'उन्होंने मुझे एक कलाकार और महिला के रूप में सशक्त...'

राधिका मदान ने फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' में इरफान के साथ काम किया था। हाल ही में राधिका ने इरफान के साथ अपने काम करने का अनुभव शेयर किया है। राधिका मदान को अभी फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर के साथ काम करने के लिए बहुत तारीफ मिल रही है। हाल ही में उन्होंने अपनी पुरानी फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' में इरफान खान के साथ काम करने का अपना अनुभव याद किया। इरफान के साथ काम करने का अनुभव न्यूज 18 से बातचीत के दौरान राधिका ने बताया कि इरफान खान ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। सबसे खास बात यह थी कि उन्होंने उन्हें एक अच्छी अभिनेत्री और एक महिला के रूप में सम्मान दिया। सेट पर उन्होंने राधिका के साथ हमेशा अच्छा व्यवहार किया। राधिका ने कहा, 'उस समय मैं बिल्कुल नई थी और इरफान खान बहुत बड़े स्टार थे। लेकिन फिर भी उन्होंने मुझसे सीन के बारे में मेरी राय पूछी। उन्होंने मेरी सहज सोच पर भरोसा किया, मेरा बहुत सम्मान किया और मुझे बराबरी का साथी माना।' इरफान की बातों से राधिका को मिली हिम्मत राधिका ने आगे कहा कि इरफान के लिए यह शायद आम बात थी, लेकिन एक युवा लड़की के लिए यह बहुत बड़ी बात थी। इससे उन्हें खुद पर भरोसा हुआ और वे खुद को योग्य समझने लगीं। इस अनुभव ने उनके लिए एक अच्छा उदाहरण बनाया कि आगे कैसे काम करना है। फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' 2020 में रिलीज हुई थी। इसे होमी अदजानिया ने बनाया था। यह कहानी एक पिता और बेटी के रिश्ते की है, जिसमें पिता अपनी बेटी के विदेश पढ़ने के सपने को पूरा करने की पूरी कोशिश करता है। फिल्म में डिंपल कपाड़िया, पंकज त्रिपाठी, दीपक डोबरियाल और रणवीर शौरी जैसे कलाकार भी हैं। 'सूबेदार' में नजर आ रही हैं राधिका फिल्म 'सूबेदार' हाल ही में ओटीटी पर रिलीज हुई है। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन सुरेश त्रिवेनी ने किया है। इस फिल्म में अनिल कपूर मुख्य भूमिका में हैं। अनिल के साथ राधिका मदान, खुशबू सुंदर, सौरभ शुक्ला, आदित्य रावल , मोना सिंह जैसे कलाकार हैं।

सिंगर गिप्पी ग्रेवाल को मिली जान से मारने की धमकी

कहा-अगर गोली चल गई तो इग्नोर नहीं होगी..

अब तक कई फेमस सेलेब्स को जान से मारने की धमकी मिल चुकी हैं। वहीं, हाल ही में इस लिस्ट में मशहूर सिंगर और एक्टर गिप्पी ग्रेवाल का नाम भी शामिल हो गया है। पंजाबी इंडस्ट्री के जाने माने सिंगर को हाल ही में जान से मारने की धमकी मिली है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने अपने एक्स पर एक ऑडियो क्लिप शेयर किया है,

जिसमें खुद को गैंगस्टर बताने वाला शख्स गिप्पी ग्रेवाल को धमकी देता नजर आ रहा है। सुखबीर सिंह बादल ने अपने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा- वह गिप्पी को गोल्डी बरार द्वारा मिलने वाली धमकी से परेशान हैं। क्योंकि भगवंत मान द्वारा सुरक्षा हटाए जाने के तुरंत बाद ही ऐसा हुआ है। सिंगर हाल ही में मुझसे मिले थे। सुखबीर सिंह ने जो ऑडिया जारी किया है उनमें सिंगर को जान से मारने की धमकी के साथ कहा गया कि उन्हें जो मैसेज किया गया था उसका जवाब वह दें। गैंगस्टर चेतावनी देते हुए कहता है कि अगर किसी भी चीज को नजरअंदाज किया तो इसका अंदाज बहुत गंभीर होगा। ऑडियो में शख्स कहता है कि मैं गोल्डी बरार बोल रहा हूं। गिप्पी मैंने तुझे कुछ दिनों पहले भी एक मैसेज किया था, लेकिन उसका अभी तक कोई जवाब नहीं आया। मुझे तुझसे कुछ बात करनी है मेरा मैसेज इग्नोर मत करना। क्योंकि मैसेज तो इग्नोर हो सकता है, लेकिन अगर गोली चल गई तो वो इग्नोर नहीं हो पाएगी। सुखबीर सिंह बादल ने गिप्पी ग्रेवाल की सुरक्षा हटाने पर सीएम भगवंत मान पर निशाना साधते हुए इसे गैर जिम्मेदाराना फैसला बताया।

डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी ने साझा किया फिल्म स्वयंभू के पीछे का खास विजन और मकसद

जब से स्वयंभू का टीजर रिलीज हुआ है, यह कार्तिकेय 2 फेम निखिल सिद्धार्थ की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन गई है। टीजर में दिखाई गई भव्यता और दमदार कहानी की हर तरफ तारीफ हो रही है। रौंगटे खड़े कर देने वाले बैकग्राउंड म्यूजिक (बीजीएम), जबरदस्त एक्शन और शानदार विजुअल्स की वजह से इसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है और अब तक इसके 18 मिलियन से ज्यादा व्यूज हो चुके हैं। टीजर ने कहानी की एक छोटी सी झलक तो दिखाई ही है, लेकिन साथ ही डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी ने खुलासा किया कि इस फिल्म के जरिए उनका मकसद भारत के उस स्वर्ण युग (गोल्डन ऐरा) को दिखाना है, जब हमारा देश दुनिया की एक बड़ी महाशक्ति था। भरत कृष्णमाचारी ने कहा , इस फिल्म के जरिए हमारी कोशिश भारत के उस सुनहरे दौर पर रोशनी डालने की है, जब हम एक बड़ी नौसैनिक शक्ति थे और हमारा साम्राज्य न केवल दक्षिण भारत, बल्कि पूरे देश में बेहद समृद्ध था। चीन जैसे पूर्वी देशों और रोम व ग्रीस जैसे पश्चिमी देशों के साथ हमारा व्यापार बहुत फैला हुआ था और हमने दक्षिण-पूर्वी एशिया तक अपनी जीत दर्ज की थी। उस समय भारत आर्थिक और तकनीकी रूप से इतना आगे था कि जैसे आज आजादी के बाद भारतीय अमेरिका जाना चाहते हैं, उस समय पूरी दुनिया भारत आना चाहती थी। इसकी वजह यह थी कि तब हम एक महाशक्ति थे। यह फिल्म उसी श्सुपरपावर युगश की शुरूआत के बारे में बात करती है। होली के शुभ अवसर पर, फिल्म की टीम ने पहले सिंगल का पोस्टर रिलीज कर दिया है, जिसमें निखिल सिद्धार्थ एक बेहद शानदार और नए अवतार में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर से त्योहार की पूरी रौनक झलक रही है और इसे चटकीले रंगों से सजाया गया है, जो होली के माहौल को एकदम सही तरीके से पेश करता है। निखिल सिद्धार्थ इसमें काफी प्रभावशाली और इंटेंस दिख रहे हैं। पोस्टर को देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म का यह पहला गाना एक हाई-एनर्जी नंबर होगा, जो आने वाले समय में त्योहारों के लिए एक बड़ा एंथम बन सकता है। भारत के शानदार स्वर्ण युग (गोल्डन ऐरा) पर आधारित यह टीजर हमारी विरासत, साहस और सांस्कृतिक गौरव से भरी कहानी को पेश करता है। इस कहानी के केंद्र में सेंगोल का शक्तिशाली प्रतीक है, जो विरासत और सम्मान की एक बड़ी दास्तां की ओर इशारा करता है। निखिल सिद्धार्थ एक बेहद उग्र और दमदार अवतार में नजर आ रहे हैं, और पूरा टीजर दिल जीत लेने वाले विजुअल्स, गहरे ड्रामा और जबरदस्त एक्शन से भरपूर है।यह फिल्म इंडस्ट्री के बेहतरीन तकनीशियनों और

क्रिएटिव दिग्गजों की एक असाधारण टीम को एक साथ लाती है। डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी के निर्देशन में बन रहे इस प्रोजेक्ट में केजीएफ और सालार फेम रवि बसरूर का संगीत है। वहीं, बाहुबली और आरआरआर जैसी फिल्मों में अपनी कला का जादू बिखेरने वाले सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंथिल कुमार इसके विजुअल्स को शानदार बना रहे हैं। एडिटिंग की जिम्मेदारी बाहुबली फेम तम्मीराजू संभाल रहे हैं।

द केरल स्टोरी 2 की कामयाबी से लेकर सीक्वल फिल्मों की सफलता के राज पर बोले विपुल अमृतलाल शाह

मशहूर फिल्ममेकर विपुल अमृतलाल शाह अपनी बेबाक और असरदार कहानियों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी लेटेस्ट फिल्म द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड के साथ एक बार फिर एक झकझोर देने वाली कहानी पेश की है। पहली फिल्म की भारी कामयाबी के बाद विपुल अमृतलाल शाह ने अपने बैनर सनशाइन पिक्चर्स के तले इसका दूसरा पार्ट प्रोड्यूस किया, जो कहानी को और भी गहराई से दिखाता है। नेशनल अवॉर्ड विनर

डायरेक्टर कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी इस फिल्म को सिनेमाघरों में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है और बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म शानदार कमाई कर रही है। फिल्म की सफलता पर बात करते हुए विपुल अमृतलाल शाह ने कहा कि सीक्वल सिर्फ एक ट्रेंड नहीं है, बल्कि यह सिनेमा और दर्शकों के बीच के रिश्ते को और मजबूत बनाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि द केरल स्टोरी 2 की कामयाबी काफी इमोशनल है, क्योंकि यह दर्शकों के भरोसे और फिल्म के कड़े संदेश की वजह से मुमकिन हो पाई है। विपुल अमृतलाल शाह ने बताया कि साल की पहली तिमाही (थ्पतेज फनंतजमत) में सीक्वल फिल्मों का ही बोलबाला रहा है। उन्होंने कहा, ह्ल2026 ने साफ दिखा दिया है कि सीक्वल सिर्फ एक ट्रेंड नहीं है, बल्कि यह सिनेमा और दर्शकों के बीच का एक मजबूत रिश्ता है। बॉर्डर 2, द केरल स्टोरी 2 और धुरंधर 2 जैसी फिल्मों ने यह साबित कर दिया है कि जब पहले पार्ट को दर्शकों का सच्चा प्यार मिलता है, तो दूसरा पार्ट उस भरोसे को और आगे ले जाता है। साल की पहली तिमाही वाकई ऐसी कहानियों के नाम रही है, जहाँ सच्चाई, जज्बात और यकीन की जीत हुई है। द केरल स्टोरी 2 की कामयाबी पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए विपुल अमृतलाल शाह ने कहा, मेरे लिए इस फिल्म की सफलता बहुत ही इमोशनल है। यह सिर्फ कमाई या आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि यह इस बारे में है कि दर्शकों ने एक बार फिर उस कहानी का साथ दिया है जिस पर उन्होंने भरोसा किया। इस तरह का प्यार और अपनापन मुझे अंदर तक छू गया है। बतौर फिल्ममेकर, ऐसे पल हमें याद दिलाते हैं कि हम ये कहानियाँ आखिर क्यों बनाते हैं। देशभर को झकझोर देने वाली द केरल स्टोरी के जबरदस्त असर के बाद, इसके सीक्वल ने सीमाओं को और भी पार किया है। यह फिल्म चुप्पी और सच को नकारने की सोच से कहीं आगे बढ़कर कहानी पेश करती है। कामाख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है, जबकि आशिन ए शाह इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और इसे कन्नड़ और तेलुगु भाषाओं में भी रिलीज किया गया है।

शादी में विक्की कौशल ने किया ऐसा मजाक, भड़के लोगों ने पत्नी का अपमान बताकर एक्टर को किया ट्रोल

कई बार किसी से मजाक करना भारी पड़ जाता है। अब तक कई ऐसे सेलिब्रेटीज हैं, जो मजाक में कही बात को लेकर ट्रोलिंग का शिकार हो चुके हैं। वहीं, हाल ही में एक विक्की कौशल के साथ ऐसा हुआ। एक शादी में दूल्हे के साथ जोक मारकर एक्टर ट्रोलर के निशारे पर आ गए और यूजर उनके इन शब्दों को पत्नी

का अपमान बता रहे हैं। दरअसल, मंगलवार को विक्की कौशल का किसी वेडिंग फंक्शन से एक वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में वह दूल्हे के साथ स्टेज पर मजाकिया अंदाज में पूछते हैं-हाउ इज द जोश? ऐसे में सामने खड़े लोग बोलते हैं- हाई, सर। विक्की फिर हंसते हुए कहते हैं-मैंने यह देखा है कि बैचलर्स का जोश हमेशा हाई ही रहता है, लेकिन हम शादीशुदा लोगों का जोश साल-दर-साल गिरता जाता है। यह वीडियो देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स भड़क गए और एक्टर को ट्रोल करने लग गए। एक यूजर ने उन्हें कमेंट करते हु सलाह दी कि सार्वजनिक मंचों पर कुछ भी बोलने से पहले उन्हें ध्यान रखना चाहिए। दूसरे ने लिखा, साल 2026 आ गया है और हम अब भी औरतों के खिलाफ शादी का मजाक उड़ाने वाले ऐसे जोक्स मार रहे हैं ॖ अन्य एक ने लिखा, मुझे यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आती है, जब पुरुष सबके सामने अपनी शादी का मजाक उड़ाते हैं। इससे वे अप्रत्यक्ष तौर पर अपनी पत्नी का अपमान कर रहे होते हैं, जो बिल्कुल भी मजेदार नहीं है। हालांकि, इस ट्रोलिंग पर अभी तक विक्की कौशल की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। काम की बात करें तो विक्की कौशल जल्द ही संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म लव एंड वॉर में नजर आएंगे। इस फिल्म में वह आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे।

शिल्पा शिरोडकर ने नए प्रोजेक्ट्स को लेकर की खुलकर बात, बोलीं- 'मुझे और काम चाहिए...'

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने हाल ही में नए प्रोजेक्ट्स की तलाश के बारे में खुलकर बात की। वह आखिरी बार फिल्म 'जटाधरा' में नजर आई थीं। शिल्पा शिरोडकर ने 'बिग बॉस 18' में शानदार खेल दिखाया। इसके बाद उन्होंने सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू के साथ फिल्म 'जटाधारा' में काम किया। शिल्पा ने अपनी आने वाली फिल्म और सीरीज को लेकर बातचीत की और साथ ही कहा कि वह और काम करना चाहती हैं। शिल्पा को चाहिए काम हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड के साथ एक इंटरव्यू में शिल्पा ने अपनी आने वाली परियोजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे काम चाहिए।' उन्होंने बताया कि वो एक वेब सीरीज कर रही हैं औक एक फिल्म भी कर रही हैं, जिसकी आधिकारिक घोषणा जल्द होगी। उन्होंने बताया कि वह साल के आखिर तक व्यस्त रहेंगी। लेकिन उन्हें और काम चाहिए। लोगों से मांगती हैं काम शिल्पा ने ये भी बताया कि वो लोगों से मिलती हैं या उनका नंबर होता है तो बिना झिझक के काम मांगती हैं। वो उन लोगों से कहती हैं, 'भाई, मुझे काम चाहिए, कोई अच्छा प्रोजेक्ट हो तो दे दो।' उन्हें लगता है कि काम मांगने में कोई बुराई नहीं है। सोशल मीडिया रहती हैं एक्टिव शिल्पा इंस्टाग्राम पोस्ट करके अपने सभी फैंस को खुश कर देती हैं। हाल ही में उन्होंने 'बिग बॉस 18' के अपने अच्छे दोस्त चुम और करण वीर मेहरा के साथ एक फोटो शेयर की। तीनों पारंपरिक कपड़ों में दिखे और कैप्शन था, 'मेरे सभी चमवीर के लिए'। फैंस अब उनकी नई फिल्मों और वेब सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। क्या है शिल्पा का महेश बाबू से रिश्ता शिल्पा शिरोडकर, 90 के दशक की प्रसिद्ध अभिनेत्री है। शिल्पा तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर की बहन हैं। शिल्पा की छोटी बहन नम्रता शिरोडकर की शादी महेश बाबू से हुई है, जिससे वे दोनों करीबी रिश्तेदार बन गए।

चिरैया की टीम ने लखनऊ का दौरा किया, दिव्या दत्ता ने की अहम बातचीत

लखनऊ (संवाददाता)। जियोहॉटस्टार की आगामी सीरीज चिरैया की टीम हाल ही में एक विशेष मीडिया इंटरैक्शन के लिए लखनऊ पहुंची, जहां प्रख्यात अभिनेत्री दिव्या दत्ता और निर्देशक शशांत शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल होकर मीडिया के साथ सार्थक बातचीत की। इस कार्यक्रम की मेजबानी मल्लिका यश अस्थाना ने की, जहां रचनाकारों और मीडिया के बीच एक दिलचस्प और विचारशील संवाद देखने को मिला। लखनऊ में व्यापक रूप से शूट की गई चिरैया का शहर से गहरा जुड़ाव है, जो इसकी कहानी में यहां की संस्कृति, माहौल और भावनात्मक परतों को खूबसूरती से दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान मीडिया के लिए शो का ट्रेलर भी प्रदर्शित किया गया, जिसने एक ऐसी कहानी की झलक दी जो जटिल मानवीय रिश्तों और विवाह के भीतर सहमति जैसे अक्सर अनकहे विषय को सामने लाती है। चिरैया अपने परिवेश से प्रामाणिकता ग्रहण करती है, जो इसके पात्रों और उनकी यात्राओं को एक सजीव और संवेदनशील रूप में प्रस्तुत करती है। मूल रूप से हिंदी में शूट की गई इस सीरीज को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने के लिए निमार्ताओं ने इसे 11 अन्य भाषाओं बंगाली, मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, भोजपुरी, ओड़िया, गुजराती, हरियाणवी और राजस्थानीकृ में भी डब किया है। इस मीडिया इंटरैक्शन में शो के निर्माण, रचनात्मक निर्णयों और इसके सामाजिक संदर्भ पर भी चर्चा की गई। यह खुला और ईमानदार संवाद शो के उस उद्देश्य को और मजबूत करता है, जिसके तहत यह कहानी के माध्यम से जागरूकता बढ़ाना चाहता है।

ईयू ने पाकिस्तान की निंदा की

कहा- सैन्य कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

काबुल (एजेंसी)। 16 मार्च को काबुल के अस्पताल में पाकिस्तानी हमले पर ईयू ने निंदा की है। ईयू ने इस सैन्य कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। यूरोपीय संघ (ईयू) ने काबुल में एक चिकित्सा सुविधा पर पाकिस्तानी हवाई हमले की निंदा किया। उन्होंने इसे पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष में एक घातक वृद्धि बताया है।यूरोपीय संघ ने दोनों पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी संभव उपाय करने का आग्रह किया। इसके साथ ही चेतावनी दी कि नागरिक और चिकित्सा सुविधाओं पर हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन करते हैं। यूरोपीय संघ ने क्या कहा? यूरोपीय संघ ने कहा, नागरिकों और चिकित्सा सुविधाओं को कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए, क्योंकि वे जेनेवा सम्मेलन सहित अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत संरक्षित हैं। सैन्य अभियानों में शामिल सभी पक्षों का दायित्व है कि वे हर परिस्थिति में इन प्रावधानों का सम्मान करें। यूरोपीय संघ ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तत्काल युद्धविराम और बातचीत फिर से शुरू करने का आह्वान करने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का साथ दिया। 16 मार्च को अफगानिस्तान में क्या हुआ अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्ताकी ने मंगलवार को दावा किया कि पाकिस्तानी सेना की ओर से ओमिद नशा मुक्ति अस्पताल पर किए गए हमले में नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती 408 से अधिक मरीज मारे गए। वहीं, 265 से अधिक घायल हो गए। काबुल में राजदूतों, मिशन प्रमुखों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मुत्ताकी ने कहा कि ये हमले 16 मार्च को रात करीब 9 बजे हुए और इन्हें ₹पाकिस्तानी सैन्य शासन के सैन्य विमानों और ड्रोन से अंजाम दिया गया, जिसमें जानबूझकर अफगान समाज के सबसे कमजोर समूहों में से एक को निशाना बनाया गया। उन्होंने आगे कहा कि पीड़ित नशे के आदी व्यक्ति थे, जिनका इलाज अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठनों द्वारा समर्थित अफगान सरकार के कार्यक्रमों के माध्यम से किया जा रहा था, और चेतावनी दी कि यह संख्या और भी बढ़ सकती है। मुत्ताकी ने पाकिस्तान की सेना पर इस्लामी या मानवीय युद्ध सिद्धांतों की अवहेलना न करने, जानबूझकर नागरिक और मानवीय सुविधाओं पर हमला करने का आरोप लगाया और इस बात पर जोर दिया कि यह हमला रमजान के अंतिम दिनों और ईद अल-फितर की पूर्व संध्या पर हुआ। उन्होंने कहा कि अफगान सुरक्षा बलों ने आनुपातिक और रक्षात्मक उपायों के साथ जवाब दिया है, केवल उन सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है जहां से हमले किए गए थे।

सत्र शुरू होने से पहले मिली विधानसभा उड़ाने की धमकी, विधायकों में अफरा-तफरी

गुजरात (एजेंसी)। गुजरात में विधनसभा में इस समय बजट सत्र चल रहा है। इसी बीच आज विधानसभा परिसर को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद परिसर में मौजूद लोगों

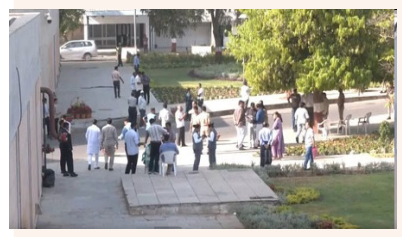

में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत जांच शुरू कर दी है। गुजरात में विधनसभा परिसर में आज सुबह बम होने की धमकी मिली। बजट सत्र के दौरान धमकी मिलने के बाद अफरातफरी मच गई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह धमकी ईमल के जरिए दी गई। इसमें दावा किया गया कि विधानसभा परिसर में बम है। आज विधानसभा में बजट सत्र की कार्यवाही सुबह 9 बजे शुरू होनी थी लेकिन उससे पहले करीब 8:45 बजे अधिकारियों को धमकी भरे ईमेल की जानकारी मिली। जैसे ही यह सूचना सामने आई, सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आ गईं और पूरे परिसर को खाली कराने का निर्णय लिया गया। पुलिस उपाधीक्षक पीयूष वांडा ने बताया कि ईमेल में साफ तौर पर बम होने का दावा किया गया था, जिसके बाद सुरक्षा को देखते हुए सभी विधायकों, कर्मचारियों और अन्य मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। एजेंसियों ने परिसर की बारीकी से जांच की। बम निरोधक दस्ते के साथ डॉग स्क्वॉड की भी मदद ली गई। शुरूआती जांच में अब तक कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री बरामद नहीं हुई है। अधिकारियों ने बताया कि यह जांच अभी जारी है और ईमेल भेजने वाले की तलाश की जा रही है। साइबर क्राइम टीम भी आरोपी का पता लगाने की कोशिश कर रही है। फिलहाल विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए तैयार है। भाजपा विधायक कसवाला महेश ने आईएएनएस से बताया आज सुबह हुई घटना के संबंध में, गुजरात विधानसभा को एक ईमेल मिला जिसमें धमकी भरा संदेश था। एहतियाती कदम के तौर पर, सभी विधायकों को वहां से हटाकर पास के ही एक हॉल में बिठा दिया गया। भाजपा विधायक दिनेश सिंह कुशवाह ने बताया धमकी झूठी निकली और कोई वास्तविक खतरा नहीं पाया गया।

कांग्रेस के सामने पेश होंगे शीर्ष अमेरिकी अधिकारी

ईरान युद्ध-घरेलू आतंकी खतरों पर हो सकते हैं कड़े सवाल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के शीर्ष खुफिया अधिकारी संसद में ईरान युद्ध और देश के भीतर बढ़ते आतंकी खतरों पर जवाब देंगे। इस दौरान ईरान के स्कूल पर हुए मिसाइल हमले में 165 लोगों की मौत और खुफिया जानकारी पर गंभीर सवाल उठने की उम्मीद है। साथ ही, प्रशासन के अंदरूनी मतभेदों और एफबीआई नेतृत्व से जुड़े मुद्दों पर कड़े सवाल हो सकते हैं।। अमेरिका के शीर्ष सुरक्षा और खुफिया अधिकारी बुधवार से संसद (कांग्रेस) की समितियों के सामने पेश होने जा रहे हैं। ट्रंप प्रशासन के ये अधिकारी ईरान के साथ चल रहे युद्ध और अमेरिका के भीतर बढ़ते आतंकी खतरों पर अपनी गवाही देंगे। इस सुनवाई के दौरान अधिकारियों को कई संवेदनशील मुद्दों पर कड़े सवालों का सामना करना पड़ सकता है। ईरान के स्कूल पर हमले का देना होगा जवाब हाउस और सीनेट की खुफिया समितियों के सामने होने वाली यह गवाही मुख्य रूप से युद्ध पर केंद्रित रहने की उम्मीद है। इस सुनवाई का सबसे बड़ा मुद्दा ईरान के एक स्कूल पर हुआ मिसाइल हमला हो सकता है। इस हमले में 165 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। शुरूआती रिपोर्टों से पता चला है कि डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) की पुरानी और गलत जानकारी की वजह से यह मिसाइल स्कूल पर जा गिरी। डीआईए के डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल जेम्स एच. एडम्स से इस बड़ी चूक पर जवाब मांगा जा सरता है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि इस घटना की जांच अभी जारी है। प्रशासन के भीतर भी खींचतान तेज ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी प्रशासन के अंदर भी खींचतान मची है। नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर के डायरेक्टर जो केंट ने हाल ही में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने साफ कहा कि वे इस युद्ध का समर्थन नहीं कर सकते। केंट के अनुसार, ईरान से अमेरिका को कोई ऐसा खतरा नहीं है जिसके लिए युद्ध किया जाए। नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड और सीआईए के निदेशक

जॉन रैटक्लिफ से ईरान के बारे में हाल ही में मिले खुफिया आकलन (इंटेलिजेंस असेसमेंट) को लेकर भी सवाल पूछे जा सकते हैं। इनमें से एक आकलन में यह कहा गया था कि अमेरिकी हमलों से तेहरान में सत्ता परिवर्तन होने की संभावना कम ही है, जबकि दूसरे आकलन में इस दावे पर ही संदेह जताया गया था कि ईरान पहले हमला करने की तैयारी कर रहा था। अमेरिका के भीतर बढ़ता आतंकी खतरा संसद में अमेरिका के घरेलू हालातों पर भी चर्चा होगी। हाल के दिनों में मिशिगन के एक यहूदी प्रार्थना स्थल और वर्जीनिया की एक यूनिवर्सिटी में हमले हुए हैं। इसके अलावा, टेक्सास के एक बार में गोलीबारी हुई जहां हमलावर के कपड़ों पर ईरानी झंडा बना था। न्यूयॉर्क में मेयर के घर के बाहर विस्फोटक लाने के आरोप में दो लोगों को पकड़ा गया है। इन घटनाओं ने देश की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एफबीआई-काश पटेल की भूमिका उठ रहे सवाल एफबीआई के मुखिया काश पटेल की कार्यशैली भी जांच के घेरे में है। उन्होंने पिछले एक साल में कई अनुभवी एजेंटों को नौकरी से निकाल दिया है। जानकारों का मानना है कि इससे देश की सुरक्षा क्षमता कमजोर हो सकती है। काश पटेल पहली बार सार्वजनिक रूप से संसद के सामने आएंगे। उनसे उनके नेतृत्व और हालिया विवादों पर सवाल पूछे जा सकते हैं। एफबीआई का कहना है कि वह देश की सुरक्षा के लिए दिन-रात काम कर रही है, लेकिन संसद सदस्य सुरक्षा में लगी सेंध को लेकर स्पष्टीकरण चाहते हैं।

लैंडिंग के समय बिगड़ा संतुलन, खोटांग में 9एन-एएफक्यू क्रैश; एक यात्री घायल

नेपाल (एजेंसी)। नेपाल के खोटांग जिले में बुधवार को एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में एक यात्री घायल हुआ है जबकि पायलट और अन्य लोग सुरक्षित हैं। नेपाल के पूर्वी हिस्से में स्थित खोटांग जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एयर डायनेस्टी कंपनी का एक हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हेलीकॉप्टर काठमांडू से एक शव लेकर खोटांग पहुंचा था। हादसे के समय हेलीकॉप्टर में पायलट समेत कुल छह लोग सवार थे। गनीमत रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई। हालांकि एक यात्री को चोटें आई हैं। जानकारी

के मुताबिक, यह हादसा सुबह करीब 11 बजकर 51 मिनट पर हुआ। एयर डायनेस्टी का हेलीकॉप्टर 9एन-एएसक्यू खोटांग जिले में उतरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह असंतुलित होकर जमीन पर गिर गया। खोटांग की मुख्य जिला अधिकारी रेखा कंडेल ने बताया कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं और केवल एक व्यक्ति को मामूली चोट लगी है। तेज हवा से बिगड़ा हेलीकॉप्टर का संतुलन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, लैंडिंग के समय वहां काफी तेज हवा चल रही थी। धूल और तेज हवा के कारण पायलट को लैंडिंग में दिक्कत हुई और हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। कंपनी के अनुसार, पायलट सबिन थापा हेलीकॉप्टर उड़ा रहे थे। हेलीकॉप्टर कंपनी ने अपने बयान में कहा है कि पायलट और अन्य यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। हादसे की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर दिया।

न्यू मैक्सिको के अमेरिकी वायुसेना बेस पर गोलीबारी, एक की मौत; एक घायल भी हुआ

अलमोगोर्डो (एजेंसी)। न्यू मैक्सिको के हॉलोमन एयर बेस पर फायरिंग से हड़कंप मच गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति घायल भी हो गया। बेस पर गोली चलाने वाले हमलावर की सूचना मिलने के

बाद बेस लॉकडाउन किया गया, जिसे बाद में हटा लिया गया। अब स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन घटना की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। न्यू मैक्सिको के एक अमेरिकी वायुसेना बेस पर गोलीबारी की घटना सामने के बाद हड़कंप मच गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया है। मिलिट्री अधिकारियों के अनुसार, आलामोगोर्डो के पास स्थित हॉलोमन एयर फोर्स बेस पर मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे गोली चलाने वाला हमलावर (एक्टिव शूटर) की सूचना मिलने के बाद पूरे बेस को लॉकडाउन कर दिया गया था। वहीं इस घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि अब स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और बेस सुरक्षित है। लॉकडाउन भी हटा लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल कोई खतरा नहीं है और आपातकालीन टीमें मौके पर काम कर रही हैं। फिलहाल, मारे गए और घायल हुए लोगों के नाम या घटना से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

विधानसभा में डीजे संगीत पर बहस, सरकार करवाना चाहती है बैन, भाजपा से मांगा समर्थन

कर्नाटक (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा में आद पूरे राज्य में सांस्कृतिक और धार्मिक त्योहारों के दौरान डीजे के इस्तेमाल पर बहस हुई। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार इस पर बैन लगाने के लिए आदेश लाना चाहती है। इसके लिए उसने विपक्षी भाजपा का समर्थन मांगा। विधानसभा में तालुका और जिला स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए सरकारी समर्थन पर चर्चा के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए, श्रम मंत्री संतोष लाड ने कहा कि विभिन्न जयंतियों के दौरान डीजे पर संगीत बजाने का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। देवी-देवताओं की शोभायात्र में गंदे गाने बजते हैं संतोष लाड ने कहा जयंती समारोहों के दौरान तेज आवाज में संगीत बजा कर आयोजन एक बड़ी समस्या बन गया है। आज, हमारे देवी-देवताओं की शोभायात्रा तब तक आगे नहीं बढ़ती जब तक डीजे पर अशिष्ट गाने न बजाए जाएं। उन्होंने तर्क दिया कि तेज संगीत बजाना हमारी सांस्कृतिक का हिस्सा नहीं है और उन्होंने इस पर पूरी तरह से बैन लगाने की अपील की। उन्होंने आगे कहा इसके बजाय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। इसके लिए 5 लाख रुपये से लेकर 25 लाख रुपये तक का फंड दिया जा सकता है। फिलहाल, बजट करोड़ों में चला जाता है क्योंकि कुछ कलाकार बहुत ज्यादा फीस लेते हैं। भाजपा

से समर्थन की मांग कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज तंगडगी ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया और कहा कि अगर भाजपा सहयोग करती है तो सरकार इस पर कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा डीजे संगीत कई तरह की समस्याएं पैदा कर रहा है। अगर भाजपा सहयोग करती है, तो हम इस पर बैन लगाने का आदेश जारी करेंगे। हालांकि, इखढ विधायक एस.एन. चन्नबसप्पा ने इस चर्चा पर आपत्ति जताते हुए कहा कि विधानसभा को मंत्रियों की निजी पसंद-नापसंद पर बहस करने की जरूरत नहीं है। चन्नबसप्पा ने पहले सांस्कृतिक त्योहारों के आयोजन पर सवाल उठाए थे। आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि डीजे संस्कृति नई चीज है। इस पर बजाए जाने वाले गानों पर ध्यान देना चाहिए। चन्नबसप्पा का अजान पर बैन लगाने का आग्रह इसी बीच, चन्नबसप्पा ने खड़गे से अजान पर बैन लगाने का आग्रह किया, यह दावा करते हुए कि सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा रखी है। खड़गे ने जवाब दिया कि सुप्रीम कोर्ट ने केवल अजान और भजनों सहित सभी प्रकार की ध्वनियों के लिए स्वीकार्य डेसिबल सीमाएं निर्धारित की हैं। भाजपा विधायक ने कहा कि अगर सरकार इस बात की पुष्टि करती है कि उसने अदालत के निदेर्शों को लागू किया है, तो वह इस स्पष्टीकरण को स्वीकार कर लेंगे। भाजपा के रिष्ठ विधायक एस. सुरेश कुमार ने कहा कि आइटम गाने और डीजे कर्नाटक की सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने ये भी कही कि तेज संगीत कई लोगों पर बुरा असर डाल सकता है। यह बच्चों के कानों के लिए खराब है। ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगनी ही चाहिए।

इस्त्राइल को अराघची की दो टूक, कहा- व्यवस्था पर कोई असर नहीं, ताकत बरकरार

तेहरान (एजेंसी)। इस्त्राइल के हमलों में शीर्ष अधिकारियों की मौत के बाद ईरान ने मजबूती का दावा किया है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि देश की राजनीतिक व्यवस्था मजबूत है और किसी एक नेता की कमी से सिस्टम पर असर नहीं पड़ता। उन्होंने इस्त्राइल को सख्त संदेश देते हुए कहा कि ईरान हर चुनौती का सामना करने में सक्षम है। इस्त्राइल के हमलों में शीर्ष अधिकारियों की मौत के बाद भी ईरान ने साफ कर दिया है कि उसका सिस्टम कमजोर नहीं पड़ा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि देश की राजनीतिक व्यवस्था इतनी मजबूत है कि किसी एक बड़े नेता की गैरमौजूदगी से कोई फर्क नहीं पड़ता। उनके इस बयान को इस्त्राइल के खिलाफ सीधा और सख्त संदेश माना जा रहा है। दरअसल, इस्त्राइल के हवाई हमलों में सुरक्षा प्रमुख अली लारिजानी और बसिज कमांडर

घोलामरेजा सोलैमानी समेत कई अहम चेहरों की मौत हुई है। इसके बाद यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या ईरान की सत्ता व्यवस्था पर इसका असर पड़ेगा। इसी को लेकर अराघची ने स्पष्ट कहा कि इस्लामिक गणराज्य की संरचना मजबूत है और यह किसी भी झटके को झेलने में सक्षम है। क्या नेताओं की मौत से कमजोर होगा ईरान? अराघची ने साफ शब्दों में कहा कि ईरान की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संस्थाएं मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि किसी एक व्यक्ति की मौजूदगी या गैरमौजूदगी से पूरे सिस्टम पर असर नहीं पड़ता। उनका कहना है कि यह व्यवस्था लंबे समय से बनी हुई है और कई चुनौतियों के बावजूद टिके रहने में सक्षम है। इस्त्राइल के हमलों पर क्या है ईरान का रुख? ईरान ने इस्त्राइल के हमलों को आक्रामक और गैरकानूनी बताया है। अराघची ने कहा कि इस तरह के हमलों से ईरान डरने वाला नहीं है।

सऊदी ने अब तक 438 ड्रोन और 36 मिसाइलें नष्ट की

अन्य देशों का हाल भी जानिए

रियाद (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब अपने 19वें दिन में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में इतने दिनों से जारी इस

संघर्ष का बड़े पैमाने पर असर खाड़ी देशों पर देखने को मिला है। क्या सऊदी, क्या यूएई और कतर। ईरान के हमलों ने इन सभी देशों में रहने वाले लोगों को डर और चिंता में जीने के लिए मजबूर कर दिया है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्त्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्त्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 19वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी बीच सऊदी अरब ने आंकड़ा जारी कर बताया कि संघर्ष शुरू होने के बाद से उसने अब तक 438 ड्रोन और 36 मिसाइलों को रोक दिया है। सऊदी रक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि ये हमले बहुत बड़े पैमाने पर और लगातार हुए हैं। पिछले तीन हफ्तों से सऊदी हवाई सुरक्षा बल लगातार सतर्क हैं। सऊदी अरब में सबसे ज्यादा हमले पूर्वी प्रांत की तरफ हुए, जहां देश के बड़े तेल रिफाइनरी हैं। इसके बाद शैबाह के तेल क्षेत्र और रियाद से 80 किलोमीटर दूर अल-खारज में प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर मिसाइलें दागी गईं। खाड़ी के अन्य देशों की स्थिति भी गंभीर, समझिए आंकड़ें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर 165 से ज्यादा मिसाइलें और 541 ड्रोन हमले हुए। कुवैत पर 97 मिसाइल और 283 ड्रोन हमला किए गए। कतर और बहरीन भी कई बार हमलों की चपेट में आए। ओमान भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहा, ईरानी ड्रोन ने उसके दुक्म बंदरगाह को निशाना बनाया। ईरान का दावा- अमेरिकी-इस्त्राइली सैन्य बेस को बना रहे निशाना हालांकि इतने हमले और बड़े पैमाने पर नुकसान के बाद भी ईरान का कहना है

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।